वर्ष: 2 अंक: 58,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

सुरत

गुरुवार

30 अप्रैल 2020

# दैनिक क्रांति समय

आपने आसपास की घटनाक्रम,समाचार,प्रेसनोट देने के लिये हमारे ईमेल krantisamay@gmail.com या WhastApp 9879141480 पर भेज सकते हैं
ब्यूरो, रिपोर्टर अपने क्षेत्र की खबरें के लिये संपर्क करें.

**सुविचार :- सुख भी बहुत है और परेशानीया भी बहुत है, जिन्दगी में लाभ है तो हनिया भी बहुत है, क्या हुआ जो प्रभु ने थोड़े गम दे दिय, उसकी हम पर महेरबानीया भी बहुत हैं**

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन की हालत बेहद गंभीर, अपने पैरों पर खड़े भी नहीं हो सकते : हो

सियोल । उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के स्वास्थ्य को लेकर अटकलों का दौर जारी है। ताजा दावे में उत्तर कोरिया के प्रमुख विद्रोही ने कहा है कि तानाशाह किम जोंग उन की हालत बेहद नाजुक है। वह अपने पैरों पर खड़े भी नहीं हो पा रहे हैं। इससे पहले आई खबरों में कहा गया था कि किम जोंग उन कोमा में चले गए हैं। कुछ खबरों में तो यहां तक दावा किया गया कि किम जोंग उन की मौत हो चुकी है।

उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग के स्वास्थ्य को लेकर किए जा रहे किसी भी दावे की पुष्टि करना अपने आप में असंभव है। इसकी वजह यह है कि उत्तर कोरिया ने खुद को दुनिया से अलग रखा हुआ है और वहां हर चीज गोपनीय रखी जाती है। उत्तर कोरियाई समाचार पत्रों ने किम जोंग उन की 11 अप्रैल को ली गई तस्वीर के अलावा और कोई तस्वीर नहीं छापी है। उन्होंने यह भी नहीं बताया है कि किम जोंग उन बीमार हैं या नहीं।

इस बीच पूर्व उत्तर कोरियाई राजनयिक थाई योंग हो ने कहा है कि किम अपनी खराब सेहत से जूझ रहे हैं। दक्षिण कोरिया में सांसद बन चुके थाई योंग हो ने कहा मुझे जानकारी नहीं है कि किम जोंग उन की वास्तव में कोई सर्जरी हुई है या नहीं लेकिन एक चीज स्पष्ट है कि....वह खुद से खड़े नहीं हो पा रहे हैं या चल नहीं पा रहे हैं। थाई ने कहा कि किम जोंग की सही हालत कैसी है, इसके बारे में केवल कुछ ही लोगों को सही पता है। इससे पहले की खबरों में बताया गया था कि सर्जरी के बाद किम जोंग उन जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

उत्तर कोरियाई विद्रोहियों के वेबसाइट डेली एनके ने कहा कि 12 अप्रैल को किम जोंग उन की हार्ट की सर्जरी हुई है। सूत्रों के मुताबिक इस ऑपरेशन के बाद किम की हालत स्थिर है और वह अपने विला में आराम कर रहे हैं। डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। इससे पहले एक अन्य उत्तर कोरियाई विद्रोही ने दावा किया था कि तानाशाह किम जोंग उन मिसाइल टेस्ट के दौरान घायल हो गए थे और इसी वजह से वह दिखाई नहीं दे रहे हैं।

किम जोंग उन की वर्कस पार्टी के एक अधिकारी ली जिओंग हो ने एक दक्षिण कोरिया के समाचार पत्र में लिखा कि किम जोंग उन 14 अप्रैल तक स्वस्थ थे और उन्होंने मिसाइल टेस्ट का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि संभवतः इसी दौरान वह घायल हो गए और इसी वजह से दिखाई नहीं दे रहे हैं। हो ने कहा ऐसी खबरें हैं कि किम मिसाइल टेस्ट के दौरान मौजूद नहीं थे लेकिन मिसाइल टेस्ट और लड़ाकू विमान की ट्रेनिंग का कोई फुटेज नहीं जारी किया गया है। इससे ऐसा लग रहा है कि मिसाइल के मलबे या आग से किम के साथ कोई दुर्घटना हुई है।

### वुहान की लैब का दावा वायरस बनाने की क्षमता नहीं

वुहान। चीन में वुहान स्थित प्रयोगशाला में कोरोना वायरस को पैदा करने के दावों के बीच वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआईवी) के प्रमुख ने इसे खारिज किया है। डब्ल्यूआईवी के प्रोफेसर और इसकी नेशनल बायोसैफिल्टी लैबोरेटरी के निदेशक युआन जमिंग ने कहा कि ये सभी दावे दुर्भावनापूर्ण हैं और इनका कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा, हम अभी तक नहीं कह सकते कि यह बीमारी कहां से पैदा हुई। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 अप्रैल को यहां तक कह दिया कि उनकी सरकार ने वुहान लैब में इस वायरस की उत्पत्ति की जांच का फैसला लिया है। हालांकि युआन ने ऐसे सभी आरोपों पर कहा कि सॉर्स-कोव-2 जीनोम के भीतर ऐसा कुछ नहीं है जिनसे संकेत मिलता हो कि यह वायरस मानव निर्मित है। उन्होंने लैब का बचाव करते हुए कहा कि डब्ल्यूआईवी का न तो इरादा था कि वह कोरोना वायरस डिजाइन करे और न ही इसे बनाने की उसकी क्षमता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) द्वारा व्यापक रूप से पढ़े जाने वाले एक वैज्ञानिक पत्र में इस सिद्धांत को हवा दी गई कि चीन ने यह वायरस लैब में पैदा किया है। इसमें यह भी कहा गया कि कोरोना वायरस का प्रोटीन एचआईवी पीडितों के साथ एक असमान समानता रखता है। युआन ने कहा, इस तरह की संक्रामक बीमारियां 70 फीसदी जानवरों से पैदा होती हैं।

चमगादड़ों के जीनोम पर भी नहीं किया प्रयोग

वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के प्रमुख युआन ने उन धारणाओं को भी खारिज किया जिनमें कहा गया था कि प्रयोगशाला ने चमगादड़ों पर किए जा रहे अनुसंधान के दौरान गलती से चमगादड़ों के जीनोम से वायरस को फैला दिया है। उन्होंने कहा, हमने वैश्विक जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों के साथ मानव और जंगली जानवरों के बीच निकट संपर्क के खतरों को देखा है। इसलिए हमारी प्रक्रियाएं सख्त हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के गवर्नर इमरान इस्माइल कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी इस्माइल ने खुद यह जानकारी दी। सोमवार देर रात उन्होंने ट्वीट कर कहा, मैं कोरोना से संक्रमित पाया गया हूं और इस बीमारी से जंग के लिए तैयार हूं। वहीं पीएम इमरान खान समेत देश के कई शीर्ष नेताओं ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या 301 हो गई है जबकि 14,079 संक्रमित हैं।

**फोटो-अंकारा में कोरोना महामारी को देखते हुए एक युवा केन्द्र में मास्क बनाते हुए कर्मचारी।**

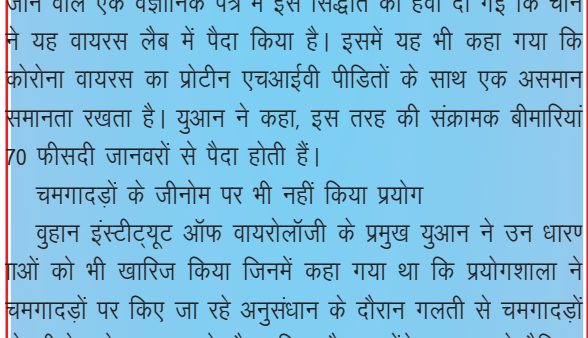

## कोरोना वायरस का असर धीमे-धीमे कम हो रहा है, अब तक 32882 मामले

नई दिल्ली । देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1813 नए मामले आए हैं और 71 लोगों की मौत हुई है। देश में अब तक 32882 संक्रमित हैं और अब तक 1,074 लोगों की मौत हुई हैं। स्वस्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कोरोना वायरस का असर धीमे-धीमे कम होता जा रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आंकड़ों के साथ बताया कि केवल 0.33 फीसदी मरीज ही वेंटिलेटर पर हैं और 1.5 फीसदी लोग ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं। 2.34 फीसदी मरीज आईसीयू में हैं। इससे पता चलता है कि किस तरह की सुविधा मरीजों को दी जा रही है।

इसके साथ एक बात और भी महत्वपूर्ण ये है कि पिछले 3 दिनों से कोरोना वायरस पॉजिटिव 11.3 दिनों में दोगुने हो रहे हैं। साफ जाहिर होता है कि कोरोना धीमे-धीमे हारता हुआ नजर आ रहा है। अगर पूरे विश्व में मृत्यु दर की बात करें तो ये 7: के आसपास है, लेकिन भारत में मृत्यु दर लगभग 3: है।

इस बीच महाराष्ट्र और गुजरात में कोरोनावायरस तेजी से फैलाव जारी है। महाराष्ट्र में आज 597 नए मामले सामने आने के बाद कोरोनावायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 9915 पहुंच गई। यहां पर 1593 मरीज ठीक होने में कामयाब रहे हैं, लेकिन 432 मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। अकेले मुंबई शहर में 6169 मरीज मिले हैं जो किसी भी राज्य की संक्रमित संख्या से ज्यादा है। गुजरात में भी आज 304 नए मरीज सामने आने के साथ ही कोरोना वायरस पीड़ित लोगों की संख्या 4082 पहुंच गई, जिनमें से 527 ठीक हो चुके हैं और 197 की मौत हो चुकी है। दिल्ली, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में पीड़ितों की संख्या 2134 से 3314 के बीच है। देखा जाए तो देश के शीर्ष 9 राज्यों में कोरोनावायरस संक्रमण के लगभग 90: मामले हैं। 4 राज्यों को छोड़कर बाकी राज्यों में नए संक्रमण के मामले दहाई अथवा इकाई में आ रहे हैं। ग्रीन जोन की संख्या भी बढ़ रही है।

## कोरोनाः चीन में छींकने और खांसने पर होगी सजा -एक जून से लागू होगा नया कानून

बीजिंग। जानलेवा कोरोना वायरस से पडोसी देश चीन भी बुरी तरह से डर गया है। इससे बचाव के ?लिए चीन अब एक नया कानून बनाया है। नए कानून के तहत अब असभ्य तरीके से छींकने और खांसने पर सजा भुगतनी पड़ेगी। कोरोना वायरस डरे चीन में यह कानून 1 जून 2020 से लागू होने जा रहे हैं। सजा के तौर पर अलग अलग श्रेणी के जुर्माने लगाए जा सकते हैं। नए कानून में लोगों को साफ-सफाई का ध्यान रखने के लिए कहा गया है। सावर्जनिक स्थानों पर सभी को एक मीटर दूरी का पालन करना होगा। खाना खाते समय अलग प्लेट लेनी होगी। प्लेट में जरूरत जितना ही खाना लेने को कहा गया है, और खाना लेते समय झूठी प्लेट, चॉपस्टिक व चम्मच का उपयोग न करने की हिदायत दी गई है। अगर कोई व्यक्ति किसी संक्रामक बीमारी से पीड़ित हैं तो वह ईमानदारी से इसकी जानकारी अस्पताल पहुंच कर दे। जरूरी जांच व क्वारंटीन अवधि को पूरा करे और सभी इलाज को सख्ती से ले। इन व्यवहारों को माना असभ्य इस आदेश के अनुसार मुंह व नाक को ढके बिना छींकने और खांसने को असभ्य करार दिया गया है। साथ ही अपनी प्लेट से खाना शेयर करना भी असभ्य करार दिया गया है। बीमार लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर बिना मास्क पहने न आने को कहा गया है। नए कानून के ड्राफ्ट के अनुसार, बीजिंग बिकिनी को भी प्रतिबंधित किया जा रहा है। चीन में गर्मी ज्यादा होने पर कुछ पुरुष अपनी टीशर्ट को ऊपर की ओर रोल करके अपने पेट को खुला छोड़ देते हैं। इसे बीजिंग बिकिनी कहा जाता है, क्योंकि ऐसा बीजिंग में ज्यादा होता देखा गया है।

## अमेरिका आने वाले हर शख्स को करानी होगी कोरोना जांच : ट्रंप

वाशिंगटन । जानलेवा वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से जूझ रहा अमेरिका अब काफी सतर्कता बरतने जा रहा है। वह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के यात्रियों के लिए कोरोना जांच अनिवार्य रूप से लागू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत कोविड-19 से प्रभावित देशों से आने वाले लोगों को अनिवार्य रूप से कोरोना जांच करवानी होगी। वहीं अमेरिका में कोरोना संक्रमण के मामले 10 लाख से अधिक हो गए हैं। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और इसके संक्रमण से अब तक 58 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस योजना की जानकारी देते हुए कहा, हम ऐसी प्रणाली स्थापित करने जा रहे हैं जिसमें हम कुछ जांच करेंगे। हम इस योजना पर एयरलाइंस कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका आने वाले लोगों को विमान में सवार होने से पहले शरीर के तापमान और कोरोना वायरस की जांच करानी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस संबंध में और अधिक जानकारी देते हुए कहा कि ऐसा नियम विशेष रूप से उन देशों के यात्रियों के लिए बनाया जाएगा, जो इस महामारी से गंभीर रूप से प्रभावित हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस संबंध में ब्राजील का उदाहरण दिया। इससे पहले अमेरिका कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए चीन और यूरोपीय देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लागू कर चुका है। उन्होंने यात्री विमान सेवा में यात्रा के दौरान मास्क पहनना अनिवार्य करने के विचार का भी समर्थन किया। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 58 हजार को पार कर 58348 पहुंच गई है जबकि संक्रमितों की संख्या 10 लाख का आंकड़ा पार कर 1012399 हो गई है।

अमेरिका में एक लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं। अमेरिका का न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के करीब तीन लाख मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि 22 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक कोरोना संक्रमण के एक लाख से अधिक मामले सामने आए हैं जबकि छह हजार से अधिक लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। सीएसएसई के मुताबिक मैसाचुसेट्स, इलिनॉयस, कैलिफोर्निया और पेंसिल्वेनिया ऐसे प्रांत हैं जहां अब तक कोविड-19 के 40 हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

## अमरिंदर सिंह ने लॉक डाउन दो हफ्ते बढ़ाया

चंडीगढ़ । कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब में कर्फ्यू को दो और हफ्तों के लिए बढ़ा दिया गया है। कर्फ्यू के दौरान सुबह 7 से 11 के बीच चार घंटे की राहत दी जाएगी। इस दौरान दुकानें और उद्योग खुले रहेंगे हालांकि मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना चाहिए। कोरोनावायरस के चलते बने हालात को देखते हुए ही भविष्य में कर्फ्यू को लेकर कोई फैसला लिया जाएगा।

इससे पहले पंजाब सरकार ने तीन मई तक गेंहू की खरीद को छोड़ कर कर्फ्यू में और कोई छूट नहीं देने का फैसला किया था। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कोरोनावायरस महामारी के कारण उभरे हालात को लेकर प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के बाद यह घोषणा की थी।

एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने रविवार शाम कर्फ्यू में तीन मई तक किसी भी तरह की ढील देने से इनकार कर दिया, जबकि केवल गेंहू की खरीद को अनुमति दी गई। इस फैसले के साथ ही 20 अप्रैल से दी गई सभी तरह की छूट को वापस ले लिया गया है। इससे पहले, दिन में ग्रामीण क्षेत्रों के उद्योगों, किताब की दुकानों, ढाबों, एयर कंडीशनर का काम करने वाले दुकानदारों के साथ ही सामवार से निर्माण संबंधित गतिविधियों के तौर पर रेत और बजरी खनन तथा 'स्टोन क्रशिंग' को अनुमति दी गई थी।

इससे पहले कहा गया था कि कर्फ्यू में ढील देने संबंधित आगे बढ़ने का ऐसा कोई भी निर्णय राज्य को लॉकडाउन से बाहर लाने के संबंध में गठित विशेषज्ञ समिति की ओर से रिपोर्ट सौंपने के बाद ही लिया जाएगा। एक सरकारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने उपायुक्तों को सभी जिलों में कर्फ्यू को सख्ती से लागू करने के साथ ही जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सिंह ने अधिकारियों को अगले सप्ताह से शुरू होने जा रहे रमजान के महीने में भी विशेष कर्फ्यू पास (अनुमति पत्र) जारी नहीं करने को कहा है।

## न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया ने रोकी महामारी फ्रांस-स्पेन लॉकडाउन खोलने को तैयार

पेरिस। कोरोना वायरस महामारी के दो सर्वाधिक प्रभावित देश फ्रांस और स्पेन ने मंगलवार को पहली बार लॉकडाउन खत्म करने के लिए अलग-अलग योजनाएं रखीं जबकि खतरनाक संक्रमण का प्रसार रोकने की दिशा में न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया व नार्वे ने बड़ी सीमा तक सफलता हासिल कर ली है। हालांकि, ब्राजील में संक्रमण फैलता जा रहा है। जापान में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के आयोजन को लेकर संदेह गहरा गया है।

### 24 घंटे में 4982 लोगों ने गंवाई जान

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि दुनियाभर में कोविड-19 से पिछले 24 घंटे में 4,982 लोगों की मौत हुई है। इसी के साथ इस महामारी से मरने वालों का वैश्विक आंकड़ा 2,14,429 हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को संक्रमण के 85,530 नए मामले सामने आए। इसके बाद दुनिया में अब कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या 31,05,461 हो गई है। अकेले यूरोप में 13,59,380 कोरोना पॉजिटिव मामले हैं और 1,24,525 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही विश्व में 9,44,136 लोग इस बीमारी को हरा चुके हैं। एजेंसी

### ब्राजील में 66 हजार से ज्यादा मरीज

ब्राजील में भी कोरोना का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश में संक्रमण के अब तक 66 हजार से ज्यादा मामलों की पुष्टि हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में 4,613 नए केस सामने आए हैं। इससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 66,501 हो गई है। यहां एक दिन में 338 लोगों की मौत हुई। मंगलवार को-दइेच;मरने वालों की संख्या-दइेच;बढ़कर 5000 से अधिक हो गई है।

### बीजिंग का कोविड-19 अस्पताल होगा बंद

चीन ने छह नए कोविड-19 मामलों के बावजूद राजधानी में कोरोना विशेष अस्पताल को बंद करने का फैसला लिया है। वहीं वुहान के अस्पताल से अंतिम संक्रमित को स्वस्थ होने के बाद रविवार को डिस्चार्ज कर दिया गया।

### पाकिस्तानः सिंध प्रांत के गवर्नर संक्रमित

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के गवर्नर इमरान इस्माइल कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी इस्माइल ने खुद यह जानकारी दी। सोमवार देर रात उन्होंने ट्वीट कर कहा, मैं कोरोना से संक्रमित पाया गया हूं और इस बीमारी से जंग के लिए तैयार हूं। वहीं पीएम इमरान खान समेत देश के कई शीर्ष नेताओं ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या 301 हो गई है जबकि 14,079 संक्रमित हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# महामारी, महिलायें और मर्दवाद

कोरोना वायरस ने भारत सहित पूरी दुनिया को बदल दिया है लेकिन दुर्भाग्य से इससे हमारी सांप्रदायिक, नस्लीय, जातिवादी और महिला विरोधी सोच और व्यवहार में कोई फर्क नहीं पड़ा है. आज दुनिया भर के कई मुल्कों से खबरें आ रही हैं कि लॉकडाउन के बाद से महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा के मामलों में जबरदस्त उछाल आया है.

वैसे तो किसी भी व्यक्ति के लिये उसके ''घर'' को सबसे सुरक्षित स्थान माना जाता है लेकिन जरूरी नहीं है कि मि. हलाओं के मामले में भी यह हमेशा सही हो. लॉकडाउन से पूर्व भी दुनिया भर में महिलाएं घरेलू और बाहरी हिंसा का शिकार होती रही हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्व ारा जारी रिपोर्ट ''भारत में अपराध 2018'' के मुताबिक़ घरेलू हिंसा के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं जिनमें ज्यादातर पति या करीबी रिश्तेदार शामिल होने हैं. रिपोर्ट के मुताबिक़ 2018 के दौरान घरेलू हिंसा के सबसे अधिक मामले दर्ज किये गये हैं. वर्ष 2005 में घरेलू हिंसा अधिनियम लागू होने के बाद भी इस स्थिति में कोई ख़ास सुधार देखने को नहीं मिला है.

घरेलू हिंसा की जड़ें हमारे समाज और परिवार में बहुत गहराई तक जमीं हैं. परिवार को तो महिलाओं के खिलाफ मानसिकता की पहली नर्सरी कहा जा सकता है. पितृसत्तात्मक सोच और व्यवहार परिवार में ही विकसित होता है और एक तरह से यह हमारे परिवारक ढांचे के साथ नत्थी हैं. घरेलू हिंसा के साथ दिक्कत यह है कि इसकी जड़ें इतनी गहरी और व्यापक हैं कि इसकी सही स्थिति का अंदाजा लगा पाना बहुत मुश्किल हैं. यह एक ऐसा अपराध है जिसे अक्सर नजरअंदाज या छुपा लिया जाता है, औपचारिक रूप से इसके बहुत कम मामले रिपोर्ट किये जाते हैं और कई बार तो इसे दर्ज करने से इनकार भी कर दिया जाता है. जयादातर महिलायें शादी बचाने के दबाव में इसे चुपचाप सहन कर

जाती हैं. हमारे समाज और परिवारों में भी विवाह और परिवार को बचाने के नाम पर इसे मौन या खुली स्वीकृति मिली हुयी हैं. राज्य और प्रशासन के स्तर पर भी कुछ इसी प्रकार यही मानसिकता देखने को मिलती है. टाटा स्कूल ऑफ सोशल साइंस' द्वारा साला 2014 में जारी ''क्वेस्ट फॉर जस्टिस'' अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार पुलिस और अदालतों दारा भी घरेलू हिंसा को अक्सर एक परिवारिक मामले के रूप में देखा जाता है और इनके द्वारा भी महिलाओं को कानूनी उपायों से आगे बढ़ने से हतोत्साहित करते हुये अक्सर ''मामले'' को मिल–बैठ कर सुलझा लेने का सुझाव दिया जाता है.

पूर्व के अनुभव बताते हैं कि महामारी या संकट के दौर में महिलाओं को दोहरे संकट का सामना करना पड़ता है. एक तरफ तो महामारी या संकट का प्रभाव तो उनपर पड़ता ही है, इसके साथ ही महिला होने के कारण इस दौरान उपजे सामाजिक–मानसिक तनाव और मर्दवादी खीज का 'खामियाजा'' भी उन्हें ही भुगुतना पड़ता है. इस दौरान उनपर घरेलू काम का बोझ तो बढ़ता ही है साथ ही उनके साथ ''घरेलू हिंसा'' के मामलों में भी तीव्रता देखने को मिलती है. आज एक बार फिर दुनिया भर में कोरोनावायरस की वजह से हुए लॉक डाउन से महिलाओं की मुश्किलें बढ़ गयी हैं, इस दौरान महिलाओं के खिलाफ हो रही घरेलू हिंसा के मामलों में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है. स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा दुनिया के कई मुल्कों में लॉकडाउन की वजह से महिलाओं और लड़कियों के प्रति घरेलू हिंसा के मामलों में बढ़ोत्तरी दर्ज किए जाने को भयावह बताते हुए इस मामले में सरकारों से ठोस कार्रवाई की अपील की गयी है.

भारत में भी स्थिति गंभीर है और इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग को सामने आकर कहना पड़ा है कि लॉकडाउन के दौरान पुरुष अपनी कुंठा और गुस्सा महिलाओं पर निकाल रहे हैं. आयोग के मुताबिक पहले चरण के लॉक डाउन के एक सप्ताह के भीतर ही उनके पास घरेलू हिंसा की कुल 527 शिकायतें दर्ज की गयी. यह वे मामले हैं जो आनलाईन या हेल्पलाइन पर दर्ज किये गये हैं. अंदाजा लगाया जा सकता है कि लॉक डाउन के दौरान वास्तविक स्थिति क्या होगी.

दरअसल इस संकट के समय महिलाओं को लेकर हमारी सामूहिक चेतना का शर्मनाक प्रदर्शन है जिसपर आगे चलकर गम्भीता से विचार किये जाने की जरूरत है. हम एक लिंगभेदी मानसिकता वाले समाज हैं जहाँ पैदा होते ही लड़कों और लड़कियों में फर्क किया जाता है. यहाँ लड़की होकर पैदा होना आसान नहीं है और पैदा होने के बाद एक औरत के रूप में जिंदा रहना भी उतना ही चुनौती भरा है. पुरुष एक तरह से महिलाओं को एक व्यक्ति नहीं ''सम्पति'' के रुप में देखते हैं. उनके साथ हिंसा, भेदभाव और गैरबराबरी भरे व्यवहार को अपना हक समझते हैं. इस मानसिकता के पीछे समाज में मर्दानगी और पितृसत्तात्मक विचारधारा का हावी होना है. कोई भी व्यक्ति इस तरह की सोच को लेकर पैदा नहीं होता है बल्कि बचपन से ही हमारे परिवार और समाज में बच्चों का ऐसा सामाजिकरण होता है जिसमें महिलाओं और लड़कियों को कमतर व पुरुषों और लड़कों को ज्यादा महत्वपूर्ण मानने के सोच को बढ़ावा दिया जाता है. हमारे समाज में शुरू से ही बच्चों को सिखाया जाता है कि महिलायें पुरषों से कमतर होती हैं बाद में यही सोच पितृसत्ता और मर्दानगी की विचारधारा को मजबूती देती है. मर्दानगी वो विचार है जिसे हमारे समाज में हर बेटे के अन्दर बचपन से डाला जाता है, उन्हें सिखाया जाता है कि कौन सा काम लड़कों का है और कौन सा काम लड़कियों का है. हमारा समाज मर्दानगी के नाम पर लड़कों को मजबूत बनने, दर्द को सहने, गुस्सा करने, हिंसक होने,दुश्मन को सबक सिखाने और खुद को लड़कियों से बेहतर मानने का प्रशिक्षण देता है, इस तरह से समाज चुपचाप और कुशलता के साथ इस विचार और व्यवहार को एक पीढ़ी से दूसरे पीढ़ी तक हस्तांतरित करता रहता है. महिलाओं को लेकर जीवन के लगभग हर क्षेत्र में हमारी यही सोच और व्यवहार हावी है जो ''आधी आबादी'' की सबसे बड़ी दुश्मन है. हम एक पुरानी सभ्यता है समय बदला, काल बदला लेकिन हमारी यह सोच नहीं बदल सकी उलटे इसमें नये आयाम जुड़ते गये. आज भी हम ऐसा पि. रवार, समाज और स्कूल ही नहीं बना सके जो हममें पीढ़ियों से चले आ रहे इस सोच को बदलने में मदद कर सकें.

आज आर्थिक रूप से मानवता ने भले ही तरक्की कर ली हो लेकिन सामाजिक रूप से हम बहुत पिछड़े हुए हैं–गैर–बराबरी के मूल्यों, मर्दानगी और यौन कुंठाओं से लबालब. संकट के समय में हमारा यह व्यवहार और खुल कर सामने आ जाता है. यह एक आदिम समस्या है जिसकी जड़ें मानव सभ्यता के हजारों सालों के सफर के साथ सहयात्री रही हैं. आज सभ्यता के विकास और तमाम भौतिक तरक्कियों के बावजूद भी मानवता इससे पीछा छुड़ाने में नाकाम रही है. लैंगिक न्याय व समानता को स्थापित करने में महिलाओं के साथ पूरे समाज की भूमिका बनती है जिसमें स्त्री, पुरुषों और किशोर, बच्चे सब शामिल हैं. इस दिशा में व्यापक बदलाव के लिए जरुरी है कि पुरुष अपने परिवार और आसपास की महिलाओं के प्रति अपनी अपेक्षाओं में बदलाव लायें. इससे ना केवल समाज में हिंसा और भेदभाव कम होगा बल्कि समता आधारित नए मानवीय संबंध भी बनेगें. इसके साथ ही ऐसे तरीके भी खोजने होगें जिससे पुरुषों और लड़कों को खुद में बदलाव लाने में मदद मिल सके और वे मर्दानगी का बोझ उतार कर महिलाओं और लड़कियों के साथ समान रुप से चलने में सक्षम हो सकें. यह एक लंबी कवायद होगी और कोरोना से निपटने के बाद मानवता को इस दिशा में विचार करना होगा.

बहरहाल तात्कालिक रूप से जैसा कि संयुक्त राष्ट्र संघ महासचिव द्वारा अपील की गयी है भारत सहित दुनिया के सभी राष्ट्रों को कोरोनावायरस महामारी से निपटने के लिये अपने कार्ययोजना में महिलाओं के घरेलू हिंसा की रोकथाम व उसके निवारण के उपायों को शामिल किया जाना चाहिये. भारत में इस दिशा में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा पहल करते हुये घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की मदद के लिए गैर–सरकारी संगठनों की एक टास्क फोर्स बनाने का फैसला किया है साथ ही आयोग द्वारा घरेलू हिंसा संबंधित मामलों की शिकायत के लिये एक व्हाट्सऐप नंबर भी जारी किया है. यह एक स्वागतयोग्य कदम हैं लेकिन इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा तत्काल और बड़े व ठोस कदम उठाये जाने की अपेक्षा है।

# (कोरोना से जंग) कोरोना के गंभीर मरीजों के लिए संजीवनी बनेगी प्लाज्मा थैरेपी!

– रक्त प्लाज्मा से कोरोना मरीजों का इलाज

विश्वभर में लाखों लोगों की जान ले चुके कोरोना के कहर से लोगों को बचाने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक वैक्सीन बनाने में जुटे हैं लेकिन कोरोना की प्रभावी वैक्सीन या टीके उपलब्ध होने में अभी काफी लंबा समय लग सकता है। यही कारण है कि कोरोना मरीजों की जान बचाने के लिए अब प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग किए जाने पर विचार किया जा रहा है। कोरोना की वैक्सीन और इस थैरेपी में सबसे बड़ा अंतर यही है कि जहां वैक्सीन लगने के बाद मरीज के शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र स्वयं एंटीबॉडीज बनाने लगता है, जिससे संक्रमण होने पर शरीर में बैक्टीरिया अथवा वायरस को निष्क्रिय करने की क्षमता होती है। दूसरी ओर प्लाज्मा थैरेपी में मरीज को जो एंटीबॉडीज दी जाती हैं, वे शरीर में स्थायी तौर पर मौजूद नहीं रहती। एंटीबॉडीज प्रोटीन से बनी विशेष प्रकार की इम्यून कोशिकाएं होती हैं, जिन्हें मेडिकल भाषा में 'बी–लिम्फोसाइट' कहा जाता है। शरीर के भीतर जब भी कोई बाहरी चीज पहुंचती है, ये तुरंत अलर्ट हो जाती हैं। शरीर में बैक्टीरिया अथवा वायरस द्वारा छोड़े जाने वाले विषाक्त पदार्थों को निष्क्रिय करने का कार्य ये एंटीबॉडीज ही करती हैं।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा इस थैरेपी के उपयोग हेतु रक्त प्लाज्मा से कोरोना मरीजों के उपचार के ट्रायल की अनुमति दे दी गई है। अब देश के पांच आयुर्विज्ञान कॉलेज तथा अस्पतालों में इसका क्लीनिकल ट्रायल किया जाएगा। फिलहाल तिरूवनंतपुरम स्थित चित्रा तिरूनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान को क्लीनिकल ट्रायल के तौर पर सीमित संख्या में इस तकनीक के इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। कोरोना रोगियों के उपचार के लिए इस थैरेपी को इसलिए अपनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि कोरोना से ठीक हो चुके एक ही व्यक्ति के रक्त से कोरोना के चार नए मरीजों का इलाज किया जा सकता है। दरअसल एक व्यक्ति के रक्त से 800 मिलीलीटर तक प्लाज्मा लिया जा सकता है और कोरोना संक्रमित किसी मरीज के शरीर में एंटीबॉडीज डालने के लिए करीब 200 मिलीलीटर तक प्लाज्मा चढ़ाया जा सकता है। कोरोना संक्रमण से उबर चुके मरीज के शरीर से एंटीबॉडीज उसके ठीक होने के 14 दिन बाद ही लिए जा सकते हैं और प्लाज्मा देने वाले व्यक्ति की पूरी जांच करके सुनिश्चित किया जाता है कि उसे कोई और बीमारी तो नहीं है।

चीन के बाद कई देशों में चल रहे ट्रायल

जिस चीन ने कोरोना नामक अपनी जानलेवा

सौगात के जरिये पूरी दुनिया में कोहराम मचाया है, उसी चीन में इसी प्लाज्मा थैरेपी के जरिये कुछ मरीजों की जान बचाने की खबरें कुछ समय पहले सामने आई थी। चीनी अध्ययनकर्ता खुलासा कर चुके हैं कि वेंटिलेशन पर पहुंचे कोरोना के कुछ गंभीर मरीजों की जान कोन्वल्सेंट प्लाज्मा से बचाई गई थी। उनके मुताबिक इस प्लाज्मा थैरेपी के 12 से 24 घंटे में ही कई गंभीर मरीजों में सुधार आने लगा था। बताया जाता है कि फरवरी माह में चीन के करीब बीस ऐसे डॉक्टरों और नर्सों ने अपने प्लाज्मा दान किए थे, जो कोरोना से संक्रमित होने के बाद ठीक हुए थे। इन प्लाज्मा का उपयोग वहां कोरोना के कई मरीजों पर किया गया और कहा जाता है कि इससे मरीजों के उपचार में काफी मदद मिली। वहां के डॉक्टरों के अनुसार प्लाज्मा थैरेपी के अध्ययन के आरंभिक नतीजों के आधार पर कोरोना के टीके या कारगर दवा के अभाव में विशेष प्लाज्मा का प्रयोग कोरोना रोगियों के इलाज का एक कारगर उपाय है। चीन के अध्ययनकर्ताओं के दावों के बाद अमेरिका तथा इंग्लैंड में इस थैरेपी को लेकर ट्रायल शुरू हो चुके हैं और हमारे यहां भी इसके ट्रायल की अनुमति दी जा चुकी है। ब्रिटेन में ग्लासगो विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता प्रो. डेविड टेपिन द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य अध्ययन संस्थान में कोन्वल्सेंट प्लाज्मा से क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति मांगी गई है। अमेरिका में भी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा कोरोना से ठीक हो चुके लोगों से प्लाज्मा दान करने की अपील की जा चुकी है।

दशकों से इस्तेमाल हो रही है प्लाज्मा थैरेपी

ऐसा नहीं है कि इस थैरेपी के जरिये वायरस संक्रमित मरीजों का इलाज करने पर पहली बार विचार किया जा रहा हो बल्कि पिछले करीब सौ वर्षों से इस पद्धति को अपनाया जाता रहा है। सबसे पहले वर्ष 1918 में फैले स्पेनिश फ्लू के इलाज में अमेरिका द्वारा इस पद्धति को अपनाए जाने की जानकारी मिलती है। उसके बाद वर्ष 2003–04 में सार्स से निपटने में हांगकांग द्वारा, 2009 में स्वाइन फ्लू के मरीजों के उपचार में दुनियाभर में और 2014 में इबोला मरीजों के उपचार के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रोटोकॉल के आधार पर कोन्वल्सेंट रक्त तथा प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग किया गया था। प्लाज्मा थैरेपी के दौरान ऐसे 'हाइपर इम्यून' व्यक्तियों की पहचान की जाती है, जो वायरस को हराकर स्वस्थ हो चुके होते हैं और उनके श्वेत रक्त से प्लाज्मा लिया जाता है। इसी प्लाज्मा को 'कोन्वल्सेंट प्लाज्मा' कहा जाता है। यही प्लाज्मा गंभीर रूप से बीमार रोगी के शरीर में चढ़ाया जाता है, जिसके बाद वायरस संक्रमित व्यक्ति का शरीर रक्त में उस वायरस से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाने लगता है। एंटीबॉडी बनने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद शरीर वायरस से लड़ने में समर्थ हो जाता है और रोगी के स्वस्थ होने की उम्मीद बढ़ जाती है।

कैसे काम करती है प्लाज्मा थैरेपी?

'प्लाज्मा थैरेपी' इस धारणा पर कार्य करती है कि कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुके मरीजों के शरीर में संक्रमण को बेअसर करने वाले प्रतिरोधी एंटीबॉडीज (प्लाज्मा) विकसित हो जाते हैं। ठीक हुए ऐसे मरीजों के रक्त से प्लाज्मा निकालकर इन एंटीबॉडीज के जरिये नए मरीज के शरीर में मौजूद कोरोना वायरस का सफाया किया जाता है। इस थैरेपी में 'एस्पेरेसिस' विधि से कोरोना से उबर चुके रोगी के शरीर से रक्त निकाला जाता है और इसी रक्त से केवल प्लाज्मा या प्लेटलेट्स जैसे अवयवों को निकालकर शेष बचा रक्त वापस डोनर के शरीर में चढ़ा दिया जाता है। एम्स के मेडिसन विभाग के डा. नवल विक्रम के मुताबिक 'प्लाज्मा थैरेपी' सभी रोगियों को देने की जरूरत नहीं हैं बल्कि जिनकी तबीयत ज्यादा खराब है, यह उन्हीं को दी जाए तो ज्यादा बेहतर है। उनके मुताबिक पहले भी सार्स तथा स्वाइन फ्लू जैसे कई संक्रामक रोगों में इस थैरेपी का इस्तेमाल हो चुका है।

प्लाज्मा थैरेपी के तहत डॉक्टर ऐसे मरीजों का प्लाज्मा एकत्र करते हैं, जो कोरोना वायरस का संक्रमण होने के बाद ठीक हो जाते हैं और फिर उस प्लाज्मा को उन मरीजों को चढ़ा दिया जाता है, जिनका कोरोना का इलाज चल रहा है। इससे रोगी का रोग प्रतिरोधक तंत्र इन एंटीबॉडीज की मदद से इन्हीं जैसी और एंटीबॉडीज बनाना शुरू कर सकता है। ये एंटीबॉडीज किसी भी व्यक्ति के शरीर में उस वक्त विकसित होना शुरू होती हैं, जब वायरस उनके शरीर पर हमला करता है। ऐसी परिस्थिति में ये एंटीबॉडीज वायरस पर हमला करते हुए उसे निष्क्रिय करने का कार्य करती हैं। वायरस से बचाने के लिए इस थैरेपी के जरिये रोगी को पैसिव इम्युनिटी देने का प्रयास किया जाता है। एक व्यक्ति के शरीर से निकालकर एक मरीज के शरीर में चढ़ाए गए प्लाज्मा के बाद मरीज के शरीर में जो रोग प्रतिरोधकता विकसित होती है, उसे ही 'पैसिव इम्युनिटी' कहा जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना वायरस से लड़ते हुए जब कोई रोगी ठीक हो जाता है, उसके बाद भी उसके शरीर में रक्त के अंदर ये एंटीबॉडीज लंबे समय तक प्रवाहित होते रहते हैं, जिससे उसका शरीर इस वायरस को तुरंत पहचानकर उससे लड़ने के लिए हर पल तैयार रहता है। दुनियाभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब इस दिशा में प्रयासरत हैं ताकि कोरोना से जंग जीत चुके मरीजों के शरीर में बनने वाले एंटीबॉडीज की मदद से इस बीमारी से संक्रमित हो रहे नए मरीजों का इलाज संभव किया जा सके।

कितनी सुरक्षित और प्रभावी है यह थैरेपी?

वर्ष 2009–2010 में 'एच1एन1 इंफ्लुएंजा' महामारी फैली थी, तब प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग करते हुए ही संक्रमण को नियंत्रित कर काफी मरीजों का उपचार किया गया था। इबोला महामारी के समय भी यह थैरेपी काफी मददगार साबित हुई थी। इसकी जरूरत इसलिए भी महसूस होती रही हैं क्योंकि किसी भी प्रकार का बैक्टीरियल संक्रमण फैलने की स्थिति में पहले से ही मौजूद एंटीबायोटिक्स के जरिये उसका इलाज किए जाने की पूरी संभावनाएं रहती है लेकिन जब संक्रमण या महामारी फैलने की वजह से कोई नए प्रकार का वायरस बनता है तो उसे नियंत्रित करने के लिए पहले से कोई एंटीवायरल उपलब्ध नहीं होती। ऐसे वायरस की रोकथाम के लिए एंटीवायरल बनाने में लंबा समय लगता है और तब तक जान–माल का बहुत बड़ा नुकसान हो जाता है। ऐसे में प्लाज्मा थैरेपी का इस्तेमाल इस नुकसान को सीमित करने में मददगार साबित होता रहा है। हालांकि ऐसा नहीं है कि कोरोना से जंग जीतने वाले हर व्यक्ति का रक्त प्लाज्मा थैरेपी में इस्तेमाल कर लिया जाएगा और इस रक्त प्लाज्मा को किसी भी मरीज को चढ़ा दिया जाएगा। दरअसल कोरोना को हराकर स्वस्थ हुए हर डोनर की तमाम जरूरी जांच करने के बाद ही उसका रक्त लिया जाता है और यह प्लाज्मा उसी मरीज को चढ़ाने पर विचार किया जाता है, जिसका रक्त समूह डोनर के रक्त समूह से मिलता हो।

प्लाज्मा थैरेपी की चुनौतियां

ऐसा नहीं है कि इस थैरेपी का इस्तेमाल करना बेहद आसान है। वास्तव में इसमें बहुत सारी चुनौतियां मौजूद हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि प्रयोग के हिसाब से रक्त प्लाज्मा का इस्तेमाल सही है लेकिन इसके लिए मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होनी आवश्यक है और डॉक्टरों के सामने कोरोना संक्रमित रोगी की रोग प्रतिरोधकता बढ़ाने की बड़ी चुनौती रहती है। सबसे बड़ी चुनौती रहती है कि संक्रमित कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के हिसाब से कोरोना से जंग जीतने वाले व्यक्तियों के रक्त से पर्याप्त मात्रा में प्लाज्मा एकत्रित करना। विश्व स्वास्थ्य संगठन के हैल्थ इमरजेंसी प्रोग्राम के प्रमुख डा. माइक रेयान के मुताबिक जब तक कोरोना के इलाज के लिए बेहतर वैक्सीन तैयार नहीं होती, इस थैरेपी का उपयोग करना ठीक है लेकिन यह हर बार सफल ही हो, यह जरूरी नहीं। इस थैरेपी के इस्तेमाल से बड़ी उम्र वाले तथा उच्च रक्तचाप व मधुमेह जैसी बीमारियों से जूझ रहे कोरोना मरीजों को ठीक करना सबसे बड़ी चुनौती है। डा. रेयान के मुताबिक हाइपर इम्यून ग्लोब्युलिन रोगियों में एंटीबॉडी को बेहतर बनाता है, जिससे रोगियों की हालत सुधरती है। वह कहते हैं कि यह थैरेपी वायरस को खासा नुकसान पहुंचाती है, जिससे मरीज का प्रतिरक्षा तंत्र बेहतर होता है और कोरोना वायरस से लड़ने में सक्षम हो सकता है लेकिन इसका इस्तेमाल सही समय पर किया जाना चाहिए। कुछ अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि पैसिव इम्युनिटी से वायरस से बहुत लंबे समय तक सुरक्षा की तो कोई गारंटी नहीं है क्योंकि शरीर ने एंटीबॉडीज खुद बनाना शुरू नहीं किया बल्कि बाहरी सेल्स की मदद से यह कार्य किया गया। उनके मुताबिक ऐसी रोग प्रतिरोधकता व्यक्ति के शरीर में कुछ महीनों तक ही रह सकती है।

कोरोना से जंग में हो सकती है बड़ी जीत

कुछ अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि कोरोना संक्रमण के मामले में यह थैरेपी इसलिए ज्यादा कारगर हो सकती है क्योंकि यह वायरस शरीर के सभी प्रमुख अंगों पर धावा बोलकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है और ऐसे में एंटीबॉडीज के जरिये इस संक्रमण को शरीर के अंदर फैलने से रोका जा सकता है। प्लाज्मा थैरेपी ज्यादा खतरे वाले रोगियों को ही दी जाती है। बहरहाल, शोधकर्ताओं के लिए प्लाज्मा थैरेपी के जरिये कोरोना मरीजों की जान बचाना बड़ी चुनौती है और अगर इन प्रयासों में उन्हें अपेक्षित सफलता मिलती है तो उम्मीद जताई जा सकती है कि यह 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के उन कोरोना मरीजों के लिए संजीवनी साबित होगी, जिन्हें कोरोना से जान का सबसे ज्यादा खतरा है। यदि ऐसा हुआ तो कोरोना वायरस के खिलाफ चल रही वैश्विक जंग में यह निश्चित रूप से बहुत बड़ी जीत होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## विदेशी सब्जी की खेती करने वालों को मिलेगा 90 फीसदी अनुदान

गया । बिहार सरकार विदेशी नस्ल की सब्जी को बढावा देने के लिए किसानों को 90 फीसदी अनुदान देने की घोषणा की है। इसकी जानकारी देते हुए राज्य के कृषि विभाग के मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने बताया कि सरकार विदेशी एवं उन्नत सब्जी की खेती को बढावा देने के लिए कई तरह की सहायता योजना चला रही है। इसके तहत पौधे और बीज पर 90 फीसदी अनुदान दिया जा रहा है। विदेशी सब्जी के एक पौध की कीमत 10 रूपया है जिसे कृषि विभाग 1 रूपये में उपलब्ध करवा रही है और संकर सब्जी के पौध की कीमत 3 रूपया है जिसे विभाग 30 पैसे में किसानों का उपलब्ध करवा रही है। यह योजना उद्यान विभाग द्वारा संचालित की जा रही है और इसका लाभ लेने के लिए किसान उद्यान विभाग की वेबसाईट पर जाकर एकीकृत बागवानी विकास योजना के लिंक से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिये किसानों से एलपीसी अथवा अद्यतन जमीन रसीद की अनिवार्यता नहीं होगी। ऐसे गैर–रैयत किसान जो पट्टे पर खेती करते हैं उनके द्वारा योजना का लाभ बगल के किसान से पहचानपत्र लेकर लिया जा सकता है।

किसानों को आवेदन करते समय पहचान पत्र, एलपीसी अथवा रसीद या पट्टे पर खेती करने वाले किसान का पहचान एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति अपलोड करना पड़ता है। अन्तर्राष्ट्रीय स्थल होने की वजह से बोधगया,राजगीर नालंदा एवं आस–पास के इलाको में विदेशी पर्यटकों की आवाजाही ज्यादा होती है और ये लोग विदेशी सब्जी की डिमांड ज्यादा होती है।

इस संबंध में मगध प्रमंडल के उद्यान विभाग के उपनिदेशक राकेश कुमार ने बताया कि किसानों द्वारा इन सब्जी के पौध और बीज ऑनलाईन खरीदे जा रहें है। इसके लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स देशरी एवं चण्डी में उच्च गुणवत्ता के विदेषी सब्जी के पौध एवं संकर प्रभेद के सब्जी के पौध तैयार किये जा रहे हैं।

विदेशी सब्जी के लिये गया में 8,000 पौध एवं औरंगाबाद, जहा नाबाद, नवादा एवं अरवल जिला के लिए 4–4हजार का लक्ष्य निर्धारित है अर्थात इस प्रमण्डल में कुल 24,000 पौध वितरित किये जायेंगें। बता दें कि इस साल से फरवरी–मार्च माह में असामयिक वर्षा,आंधी एवं ओलावृष्टि के कारण रबी फसलों में हुयी क्षति के लिए कृषि विभाग इनपुट अनुदान दे रही है। इसके लिए ऑनलाईन आवेदन देने का समय 18 अप्रैल के खत्म हो गया। इस दौरान कोरोनाबंदी की वजह से कई किसान अपना आवेदन नहीं कर पाये। हालांकि इन छूटे हुए किसानों के लिए 4 मई से ऑनलाईन आवेदन दुबारा शुरू किया जायेगा।

## मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश आमंत्रित करने की रणनीति को दी सैद्धांतिक सहमति

रायपुर,। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ राज्य में प्रत्यक्ष विदेश निवेश के संबंध में उद्योग विभाग के प्रस्तावित कार्ययोजना को सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है। उन्होंने उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव को कुछ चुनिंदा सेक्टर के उद्योगों को छत्तीसगढ़ में आमंत्रित करने हेतु आवश्यक चर्चा एवं पत्राचार करने की भी बात कही।

राज्य में ऑटोमोबाइल आयरन एवं स्टील भारी इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिक वायर एवं ऑप्टिकल फायबर, कन्ज्यूमर ड्यूरेबल्स, टेक्सटाईल, इलेक्ट्रानिक्स आदि उद्योगों की स्थापना के लिए प्राथमिकता से विदेशी पूंजी निवेश के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव उद्योग मनोज पिंगुआ ने पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विदेशी पूंजी निवेश के संबंध में प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि कोविड.19 संक्रमण की वजह से वर्तमान में विश्व में जो स्थिति निर्मित हुई है उसको देखते हुए भारत विशेषकर छत्तीसगढ़ राज्य में चीन से बाहर निकलने को इच्छुक विदेशी औद्योगिक संस्थानों को यहां उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित करने के अवसर निर्मित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि यू.एस.ए.ए जापान दक्षिण कोरिया ताईवान एवं वियतनाम की प्रमुख कंपनियों को छत्तीसगढ़ में अपना उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विभाग द्वारा प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी गई है।

श्री पिंगुआ ने बताया कि उक्त देशों की कंपनियों की कई ईकाइयाँ भारत में पहले से ही कार्यरत हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य में भी अपना उद्यम शुरू करने के लिए आमंत्रित किया जाना उपयुक्त होगाए इसके लिए आवश्यक सुविधाएँ एवं रियायते भी दी जा सकती है। श्री पिंगुआ ने बताया कि

विदेशी कंपनियों को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापना के लिए सिंगल स्ट्रोक क्लीयरेंसए प्लग एण्ड प्ले सुविधा के साथ भूमिए कुशल श्रम शक्तिए प्रोजेक्ट की स्वीकृति का सरलीकरण, निवेश पैकेज, स्थानीय निवेशकों से साथ ज्वाईंट वेंचर आवश्यक अधोसंरचनाएं बिजली पानी के अधिभार में छूट दिया जा सकता है। विदेशी निवेश सम्बंधी त्वरित निर्णय लेने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ सचिवों की समिति गठित करने की सहमति भी दी गयी है ।

## ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से हुई हानि का आंकलन कर प्रभावितों को आर्थिक सहायता पहुंचायी जाए. जय सिंह अग्रवाल.

रायपुर,। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने प्रदेश में हाल में ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से हुए नुकसान के लिए प्रभावितों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए हैं। श्री अग्रवाल ने रवि मौसम की बागवानी फसलों सहित अन्य फसलों, मकान पशुहानि तथा जनहानि का आंकलन कर प्रभावितों को आर.बी.सी. 6.4 के तहत आर्थिक अनुदान सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

## जौनपुर सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सहित पांच की मौत

जौनपुर । उप्र के जौनपुर जिले में बुधवार को एक घंटे के अंतराल पर हुए दो अलग–अलग हादसों ने एक ही परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत हो गई। पहले परिवार के लोगों पर दीवार गिरी। जिसमें कई लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दो अन्य घायलों को लेकर बाइक से निजी अस्पताल जा रहे युवक की टक्कर पिकप से हो गई। इससे मौके पर ही तीनों बाइक सवारों की मौत हो गई। मरने वालों में दो युवतियां हैं। पांच लोगों की मौत की खबर से पूरे गांव में कोहराम मच गया।

अपर पुलिस अधीक्षक देहात संजय राय ने बताया कि बरसठी के हंसिया (सरसरा) गांव में नन्हकू सरोज का लड़का अखिलेश ऊर्फ बऊ (25) दीवार बनाने के लिए नींव खोद रहा था। इसी दौरान बगल में प्रेम चन्द गुप्ता की ताजी बनी ईट की दीवार अखिलेश के ऊपर गिर पड़ी। दीवार के मलबे में अखिलेश के साथ ही उसकी 35 वर्षीय बहन कपुरा, चचेरी बहन ऊषा (32) और मजदूर पंकज बिन्द (28) भी दब गए। गांव वालों ने सभी को किसी

तरह मलबे से बाहर निकाला। अखिलेश और मजदूर पंकज की हालत गंभीर देख भदोही के एक निजी अस्पताल में भेजा गया। जहां दोनों की मौत हो गयी। बहन कपुरा व उषा को दूसरा भाई लक्ष्मण सरोज (30) बाइक से मियांचक अस्पताल लेकर जाने लगा। रास्ते में हंसिया गांव के पास उसकी बाइक को पिकअप ने टक्कर मार दी। जबरदस्त टक्कर में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत से पूरा गांव स्तब्ध रह गया।

## धारा 144 का उल्लंघन करने पर हुए 65 व्यक्ति गिरत्फ्तार

**नोएडा । नोएडा के गौतमबुद्ध नगर में कोविड–19 के प्रसार पर रोक के लिए लागू धारा 144का उल्लंघन करने पर पुलिस ने 16 मामले दर्ज करके 65 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस कमिश्नर गौतम बुद्ध नगर के मीडिया इकाई प्रभारी अभिनेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर में कोविड–19 की वजह धारा 144 एवं लॉकडाउन लागू है। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन एवं धारा 144 का उल्लंघन करने पर 16 मामले दर्ज किये गए। वहीं, पुलिस ने 65 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 612 वाहनों की जांच की। 191 वाहनों का चालान काटा गया, जबकि एक वाहन सीज किया गया। उन्होंने बताया कि 200 जांच बिंदुओं पर बैरियर लगाकर पुलिस 24 घंटे जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली से आने वाले लोगों का प्रवेश जनपद गौतम बुद्ध नगर में बंद कर दिया गया है। जनपद के सभी प्रवेश बिंदु पर बैरियर लगाकर प्रवेश निषेध का पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। बताया गया कि ये पुलिस ये कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।**

## योगी सरकार ने कोरोना योद्धाओं को लेकर बदला एपिडेमिक एक्ट

लखनऊ । उत्तरप्रदेश में कोरोना वारियर्स पर हमले की लगातार आ रही ख़बरों को लेकर योगी सरकार ने एक्शन लेते हुए एपिडेमिक डिजीज एक्ट 1897 में बदलाव किया है। अब यूपी में भी डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस वालों पर हमला गैर जमानती अपराध होगा।

दरअसल, केंद्र सरकार की तरह ही यूपी सरकार ने भी कोरोना वारियर्स की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए हैं। एपिडेमिक डिजीज एक्ट 1897 में बदलाव के बाद अब इसे यूपी महामारी कोविड–19 (प्रथम संशोधन) विनियमावली 2020 कहा जाएगा। इस एक्ट में सरकार ने शामिल विनियम 15 में संशोधन किए हैं। अब डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस वालों पर हमला करने वालों को 7 से 5 साल की कैद व 50 हजार से दो लाख तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। साथ ही गिरफ़्तारी के बाद 6 महीने तक जमानत भी नहीं होगी। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य मोहन प्रसाद ने बताया कि

अब इसे यूपी महामारी कोविड–19 (प्रथम संशोधन) विनियमावली 2020 कहा जाएगा। इस विनियमावली को 30 जून तक या अग्रिम आदेश तक लागू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस विनियमावली की किसी भी उपबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, संस्था, संगठन आईपीसी (अधिनियम संख्या–45 1860) की धरा 188 के अधीन दंडनीय अपराध माना जायेगा। सक्षम प्राधिकारी ऐसे व्यक्ति संस्था व संगठन को दण्डित कर सकता है। केंद्र सरकार पहले ही यह बदलाव कर चुकी है। इसके लिए 123 साल पुराने महामारी कानून में बड़ा बदलाव कर हिंसा के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कैबिनेट बैठक के बारे में कहा है कि डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर हो रही हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए केंद्र सरकार अध्यादेश लेकर आई जिस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद उसे कानून में बदल दिया गया।

## ड्राइवर ने शादी का झांसा देकर किया युवती से रेप

लखनऊ । लखनऊ में एक ट्रक ड्राइवर ने खुद को एक कंपनी का मैनेजर बता युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद शादी करने की बात कह कर उसके साथ रेप किया। मगर, जब आरोपी की सच्चाई आई तो युवती उससे दूरियां बनाने लगी। क्योंकि वह शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा था। जिसका युवती द्वारा विरोध करने पर वह अश्लील वीडियो सोशल साइट पर अपलोड करने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर मड़ियांव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बताया गया कि बहराइच इलाके की रहने वाली युवती मड़ियांव में एक किराए के मकान में अपने परिवारवालों के साथ रह रही है। कई महीनों पहले युवती पीलीभीत रिश्तेदार के शादी समारोह में गई थी। वहां युवती की पहचान पीलीभीत निवासी गुरमीत रंधावा से हुई। दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई। दरअसल, उसने खुदको गुजरात की एक कंपनी में मैनेजर बताकर दावा किया कि उसकी सैलरी 42 हजार रुपये है। इसके बाद गुरमीत ने युवती और उसके परिवारवालों के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। पीड़ित ने कहा कि आरोपी ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसाया। कई महीनों तक दोनों के बीच मोबाइल पर बातें होती रही। एक दिन आरोपी मड़ियांव स्थित पीड़िता के घर पहुंचा और उसको अकेले देख उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। पीड़िता के विरोध करने पर कहा कि शादी तो होनी है तो क्यों मना कर रही हो। पीड़िता के न मानने पर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी की इस हरकत के कारण पीड़िता बेहोश तक हो गई थी। इस बीच आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बना लिया। फिलहाल पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की छानबीन कर रही है।

## बिना मानक संचालित हो रहे हॉस्पिटलों को देखकर सीएमओ पर नाराज हुई नोडल अधिकारी।

सीतापुर। राज्य सरकार द्वारा नामित अधिकारी डॉ रोशन जैकब द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आलोक कुमार वर्मा को जनपद के समस्त नर्सिंग होम को निर्देशित किया गया था कि बिना covid–19 की गाइडलाइन पूर्ण किये कोई भी हॉस्पिटल संचालित नही किया जाना चाहिए। आज उन्होंने सीतापुर जनपद में स्वयं एक दर्जन हॉस्पिटलों का निरीक्षण कर जमीनी हकीकत जानी। इस दौरान उन्होंने कई हॉस्पिटलों को निरस्त करने और कई हॉस्पिटलों को डॉ ना होने के कारण जवाब तलब कर लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश देते हुए इस मामले में सीएमओ की घोर उदासीनता को देखते हुए नोडल अधिकारी जैकब द्वारा शासन को पत्र लिखकर तत्काल कार्यवाही के

## सीएमओ सीतापुर पर कार्यवाही के लिए शासन को लिखा पत्र।

लिए कहा गया है। डॉ रोशन जैकब ने बताया इस महामारी के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा हॉस्पिटलों को गैर मानक चलाया जा

रहा था उनके द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई थी। उन्होंने बताया कि सीएमओ द्वारा covid–19 जैसी घोर महामारी में अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीनता बरतने के कारण शासन को पत्र लिखकर उनके खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

## प्रसूता ने एक साथ जन्में पांच नवजात, डॉक्टर भी अंचभित

बाराबंकी । यूपी के सूरतगंज के कुतलुपुर में एक प्रसूता ने एस साथ 5 शिशुओं को जन्म दिया है। प्रसूता का नाम अनीता गौतम (32) वर्ष है, उसके पति कुंदन गौतम ने बताया कि सुबह उसकी पत्नी अनीता बाथरूम गई थीं वहां पर प्रसव पीड़ा के बाद एक बच्चे का जन्म हो गया। आनन–फानन में आशाबहू को बुलाया गया और ऐंबुलेंस की मदद से सीएचसी सूरतगंज ले जाया गया। वहां पर सुबह 8 बजे चार बच्चों ने जन्म लिया। इस पर तत्काल डॉक्टरों ने पांचों बच्चों और पत्नी को जिला महिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला महिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रभुवन तिवारी ने बताया कि अनीता को 7 महीने में प्रीमैच्योर डिलेवरी हुई है। एक बच्चे के सिर में चोट है। शेष ठीक हैं लेकिन प्रीमेच्योर जन्म के कारण इनमें खून की नली, दिमाग, फेफड़े, आंख और दिल के पूर्ण विकसित न होने की आशंका है।

डॉक्टर राजर्षि त्रिपाठी ने बताया कि इस केस को क्विनट्यूपलेट कहा जाता है। उन्होंने बताया कि सभी बच्चे अंडरवेट हैं इसलिए हमारे सामने अभी चुनौती है कि पहले उनका वर्जन नॉर्मल किया जाए। पांच बच्चे होने की वजह से नवजातों का वजन सामान्य से कम है। इनमें से दो के वजन एक किलो सौ ग्राम है वहीं दो का 900 ग्राम है। एक का 800ग्राम है। सीएचसी प्रभारी डॉ. राजर्षि त्रिपाठी ने बताया कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में मल्टीपल बेबी लिखा था। पांच बच्चे होने का जिक्र नहीं था। सभी बच्चे अलग अलग लेयर में थे। बच्चेदानी में उनकी नाल अलग अलग जगह जुड़ी थीं जिससे उन्हें पोषक तत्व मिल रहे थे। दो बच्चों में सांस लेने में दिक्कत हो रही है जिस पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

## प्रयागराज से छात्रों को लेकर कुशीनगर जा रही बस की ट्रक से भिड़ी, 27 घायल

**अयोध्या । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद प्रयागराज में फंसे छात्रों को उनके घर भेजा जा रहा है। इसी बीच बुधवार को लॉकडाउन में फंसे छात्र–छात्राओं को लेकर प्रयागराज से कुशीनगर जा रही रोडवेज बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रोडवेज बस ड्राइवर को नींद आ जाने के चलते बस, ट्रक के पीछे से जा टकराई। इस हादसे में छात्र–छात्राओं समेत 27 लोग घायल हो गए हैं।**

**जानकारी के मुताबिक यह हादसा अयोध्या में कोतवाली बीकापुर के बिलारी के पास हुआ है। हादसे के वक्त बस में 25 छात्र–छात्राएं सवार थे। हादसे में ड्राइवर व बस में ड्यूटी पर तैनात सिपाही भी घायल हो गए। सीएचसी बीकापुर से रेफर होकर 10 छात्र–छात्रा जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। सभी का इलाज चल रहा है। बस ड्राइवर व दो छात्राओं की हालत नाजुक है। इस बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज से प्रतियोगी छात्रों को कुशीनगर लेकर जा रही बस की जनपद अयोध्या में हुई दुर्घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को घायलों का इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होने सभी छात्रों को सुरक्षित घर भेजने के निर्देश भी दिए हैं। वहीं जिलाधिकारी अनुज कुमार झा व एसएसपी आशीष तिवारी अन्य अधिकारियों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। घायल छात्र–छात्राओं का हालचाल लिया। 10 छात्र–छात्राएं समेत 12 लोग जिला अस्पताल में भर्ती हैं। कम घायल 15 छात्र–छात्राओं को जिला अस्पताल से बस लेकर कुशीनगर रवाना हो गई।**

## फेस बुक पर लाइव युवक गिरफ्तार

रायपुर,। लॉकडाउन की वजह से सुनसान पड़ी सड़कों पर कार में घूमते हुए फेसबुक पर आना युवक को महंगा पड़ गया। इस घटना का पता चलते ही साइबर सेल की मदद से इस युवक के फेसबुक प्रोफाइल को ट्रेस कर सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इस घटना को लेकर रायपुर एसएसपी आरिफ शेख ने ट्वीट कर लिखा कि कल रात एक युवक द्वारा लॉकडाउन का बड़ा चुनौतीपूर्ण उल्लंघन कर अपने फेसबुक में लाइव दिखाया गया उसका नतीजा उसे आज अपनी गिरफ्तारी ही करनी पड़ी। लॉक डाउन हो सोशल मीडिया हो या ट्रैफिक नियम सभी का पालन जिम्मेदारी से करें वरना हम तो हैं ही।

मंदिर हसौद थाना प्रभारी सोनल ग्वाला ने बताया कि युवक लॉकडाउन के बावजूद रात करीब 1 बजे के आसपास अपनी कार से सड़क पर घूम कर फेसबुक पर लाइव था। पुलिस को सुबह इसकी सुचना मिली जिसके बाद साइबर सेल की मदद से इसे ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया गया। युवक के खिलाफ धारा 188 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, झुलसे दो कर्मचारी

## बिजली शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका झलसे दो कर्मचारी सेक्टर–9 अस्पताल में भर्ती

भिलाई । औद्योगिक क्षेत्र हथखोज स्थित श्याम केमिकल इंडस्ट्रीज में आज अलसुबह आग लग गई। आगजनी की इस घटना में झुलसे दो कर्मचारियों को सेक्टर–9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना में लाखों रुपए के नुकसान की संभावना जताई जा रही है। मामले में भिलाई–3 पुलिस ने विवेचना शुरू कर दिया है।

गर्मी के मौसम में तापमान के इजाफा होते ही आगजनी की शुरुवात हो गई है। आज सुबह 6 बजे के आसपास औद्योगिक क्षेत्र हथखोज में स्थित श्याम केमिकल इंडस्ट्रीज में अचानक आग लग गई। आग लगने की वजह बिजली शार्ट सर्किट को माना जा रहा है। केमिकल फैक्ट्री होने से आग तेजी से भभकने लगा और चपेट में आकर दो कर्मचारी झुलस गया। जानकारी मिलते ही बाजू में स्थित सुप्रीम इंडस्ट्रीज के कर्मचारी जगजीत सिंह, सूरज व रुपकुमार ने अपनी फैक्ट्री के फायर सेफ्टी सिस्टम का उपयोग कर आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। वहीं सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंचकर दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बताया जाता है कि श्याम केमिकल फैक्ट्री में तारकोल बनाने का काम होता है। फैक्ट्री परिसर में ज्वलनशील पदार्थों का फैलाव बने रहने से थोड़ी सी भी लापरवाही बड़ी आगजनी का कारण बनती रही है। इस फैक्ट्री में आगजनी की सूचना के बाद भिलाई–3 पुलिस की टीम ने पहुंचकर जायजा लिया। फैक्ट्री कमल चौहान नामक उद्योगपति की है। उनसे पूछताछ के बाद ही नुकसान का वास्तविक आंकड़ा सामने आ सकेगा।

श्याम केमिकल में पहले भी लगी है आग

हथखोज औद्योगिक क्षेत्र स्थित श्याम केमिकल फैक्ट्री में आगजनी की कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी इस फैक्ट्री में आग लग चुकी है। एक–दो साल के अंतराल में केमिकल फैक्ट्रियों में होने वाली आगजनी की घटनाओं पर कई बार संदेह भी उभरता है। श्याम केमिकल के आसपास कई और भी केमिकल फैक्ट्रीयां है जहां प्रायः आगजनी की घटनाएं होती रहती है। आगजनी की इन घटनाओं के पीछे किसी प्रकार का स्वार्थ छिपे रहने की संभावनाओं पर भी चर्चा सरगर्म हो जाती है। ऐसी आगजनी की घटनाओं में मजदूरों के हताहत होने पर पुलिस को विवेचना में लेकर कार्यवाही करना चाहिए।

## पुलिस नक्सली मुठभेड़ एक महिला नक्सली की मौत दो पुलिस जवान हुए घायल

नारायणपुर, । पुलिस नक्सली मुठभेड़ में एक महिला नक्सली मारी गई है। वहीं पुलिस के दो जवान घायल हुए हैं। घायलो को अस्पताल मे दाखिल किया गया है । घटना स्थल से एक एसएलआर रायफल और 12 बोर की बंदूक बरामद की गई है। घटना की जानकारी एसपी मोहित गर्ग ने की है। कडेनार करियामेटा के बीच बुर्गम की घटना है जहां नक्सलियों ने रोड़ ओपनिग पार्टी पर घात लगाकर हमला किया था। नक्सलियों ने पहले आईडीव बलास्ट किया, फिर जमकर फायरिंग की। पुलिस के जवानों ने भी जवाबी कार्यवाही की है। पुलिस ने नक्सली आरोपी के खिलाफ जाच.पडताल कर कारॅवाई की है ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# 'पताल लोक' का पोस्टर रिलीज़

मुंबई । वरुण धवन को 'निर्माता साब' अनुष्का शर्मा पर है गर्व, अभिनेत्री ने अपनी अमेज़न प्राइम वीडियो ओरिजनल 'पताल लोक' का पोस्टर किया रिलीज़!

अनुष्का शर्मा जल्द अमेज़ॅन ओरिजिनल सीरीज़ के नए शो ष्पताल लोकष् के निर्माता के रूप में अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। निर्माताओं ने हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर श्रृंखला की घोषणा की थी और इसकी लॉन्च तारीख के साथ पोस्टर भी रिलीज़ कर दिया गया है। ष्पताल लोकष् एक रहस्य थ्रिलर होगी जिसमें आधुनिक भारतीय समाज और राजनीति की दुनिया से रूबरू करवाते हुए इसके रहस्यमय पक्ष को हाईलाइट किया जाएगा। टीज़र पोस्टर में एक शहर की पृष्ठभूमि के बीच एक युवक आठ हाथों में हथियारों के साथ खड़ा नज़र आ रहा है। सिंपल लेकिन आकर्षित करने वाली इस तस्वीर में प्रकाश और अंधेरे, रहस्य और सुराग की थीम को साफ़ समझा जा सकता है जो हमें इस नए ड्रामा में देखने मिलेगा। पताल लोक को ष्हमारी दुनिया के नीचे मौजूद एक अपरिहार्य नरकष् के रूप में वर्णित किया जा सकता है। ष्पताल लोक' के सभी एपिसोड 15 मई को दुनिया भर में अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज़ किये जाएंगे।

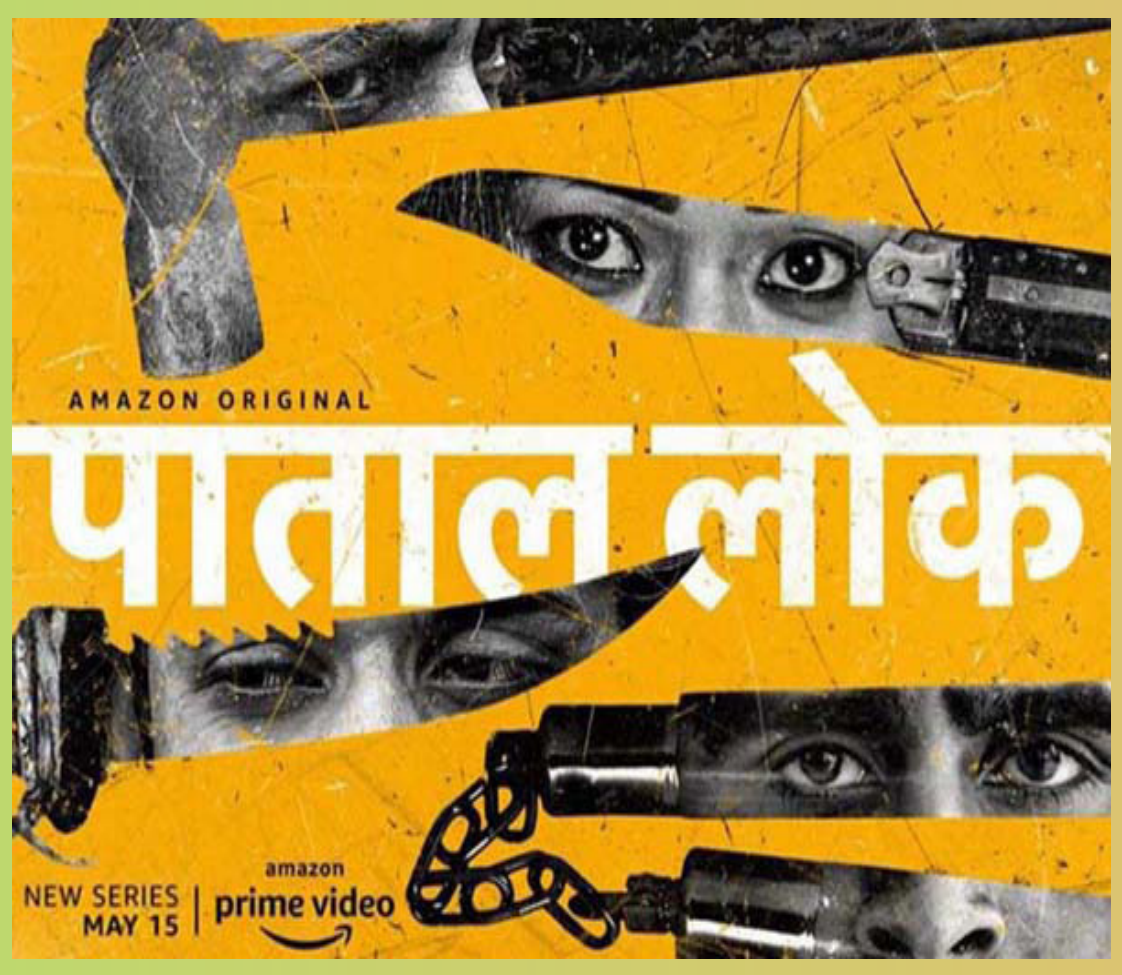


# लारा दत्ता ने 20 साल बाद की बाइक पर सवारी

मुंबई । अभिनेत्री लारा दत्ता डिजिटल शो में साड़ी में बाइक चलाने को लेकर घबराई गई थी। दरअसल वह एक डिजिटल शो में डेब्यू करने जा रही हैं। लारा ने बताया कि इस श्रृंखला 'हंड्रेड' में एक जगह पारंपरिक नववारी साड़ी में महिलाओं की बाइक रैली का नेतृत्व किया है। ष'हंड्रेड' में सौम्या शर्मा के रूप में मेरे लिए सबसे अच्छे अनुभवों में से एक नववारी साड़ी पहनकर रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल की सवारी करना था। यह निश्चित रूप से ऐसा काम था जो मैंने पहले कभी नहीं किया था! मैं जब किशोरी थी तब बाइक की सवारी करती थी लेकिन मुंबई आने के बाद कभी नहीं की।ष उन्होंने कहा कि ष्मुझे बाइक पर सवारी किए 20 साल हो गए हैं इसलिए मैं निश्चित रूप से सड़कों पर उतरने और साड़ी में बाइक चलाने जैसे काम को लेकर घबरा गई थी। लेकिन यह शानदार रही। हम एक कारण को लेकर यह रैली निकालते हैं इसलिए हमने हम सभी ने नववारी साड़ी पहन रखी थी। शो के हिस्से के रूप में, हम पुलिस डिवीजन में गुड़ी पड़वा मना रहे थे जो कि मेरे किरदार सौम्या का एक हिस्सा था। बहुत मजा आया! हमने सचमुच ट्रैफिक रोक दिया था। यह निश्चित रूप से मेरे जीवन में स्क्रीन पर किया गया अब तक सबसे अच्छा काम है।ष बताया गया कि सीरीज में लारा को एसीपी सौम्या शुक्ला के रूप में देखा जाएगा। इस हॉटस्टार स्पेशल में दो विपरीत महिलाओं के दुस्साहस को दिखाया गया है। इसमें पृष्ठभूमि मुंबई की है। इस शो में रिंकू राजगुरु भी हैं। यह रुचि नारायण, आशुतोष शाह और ताहिर शब्बीर द्वारा सह–निर्देशित किया गया है। यह डिजनी प्लस और हॉटस्टार वीआईपी पर लॉन्च होगी।

# अभिनेत्री पायल राजपूत ने न्यूज पेपर ड्रेस पहन प्रशंसकों को किया अंचभित

मुंबई । लॉकडाउन के चलते सभी बॉलीवुड सितारे अपने घरों में कैद हैं। इस दौरान सभी सोशल मीडिया पर कुछ ज्यादा ही सक्रिय हो गए हैं। वहीं इस बीच सोशल मीडिया पर कई अजीबो–गरीब चैलेंज भी देखने को मिल रहे हैं, कई सेलेब्रिटीज इन चैलेंज में हिस्सा भी ले रहे हैं। हाल ही में एक ऐसे ही चैलेंज में अभिनेत्री पायल राजपूत भी हिस्सा लेती दिखीं। उन्होंने कुछ समय पहले पिलो चैलेंज लिया था। इस चैलेंज की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। वहीं अब उनकी लेटेस्ट तस्वीरें जबरदस्त चर्चा में आ गई हैं। जिसमें वो सिर्फ न्यूज पेपर पहने दिखाई दे रही हैं। पायल राजपूत ने हाल ही में सिर्फ अखबार पहन कर अपनी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वो अखबार की स्कर्ट और स्टाइलिश टॉप पहने हैं और उन्होंने बाकायदा पोज देखकर फोटो खिंचवाई है। इस आउटफिट को उन्होंने ब्लैक रंग की बेल्ट के साथ कंप्लीट किया है। उन्होंने घर में पड़े अखबारों से होममेड ड्रेस बनाई है और सोशल मीडिया पर मौजूद अपने फॉलोवर्स से पूछा है कि उन्हें ये ड्रेस कैसी लगी? अपने पोस्ट में उन्होंने किसी को स्टाइलिंग क्रेडिट भी दिया है।

वहीं पायल की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही हैं। वहीं इस फोटोज पर उन्हें जमकर प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं। कईयों को पायल का ये अंदाज काफी पसंद आया है लेकिन कुछ लोगों को ये काफी फनी भी लगा है। बीते दिनों पायल ने पिलो चैलेंज लिया था जिसमें तकिये को ड्रेस की तरह पहना जाता है। पायल इस पिलो चैलेंज के तहत यलो रंग की तकिया पहन कर फोटो शूट करवाया था। वहीं उनकी ये पिलो चैलेंज वाली तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं। पायल भी बाकी सेलेब्रिटीज की तरह ही इन दिनों लॉकडाउन में समय बिता रही हैं। इस दौरान वो इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय हैं।

# अदा शर्मा ने बिना योजना वाले ट्रिप को बताया यादगार

मुंबई । अभिनेत्री अदा शर्मा ने बिना योजना वाली ट्रिप जीवन की सबसे अच्छी बताई हैं। उन्होंने कहा कि ष्मैं सच में मानती हूं कि

जीवन में सबसे अच्छी यात्राएं वही होती हैं, जिनकी योजना नहीं बनाई जाती है। बिना महीनों तक बनाए गए किसी योजना के, बिना नक्शे के, कोई यात्रा कार्यक्रम नहीं है, लेकिन आपके करीबी दोस्तों का समूह साथ हो, तो वह यात्रा सबसे यादगार होती है।ष बता दें कि अदा अपने वेब शो, 'द हॉलिडे' को लेकर वह रोमांचित हैं, जो एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। यह शो दर्शकों को उनकी सबसे यादगार बैचलर ट्रिप की याद दिलाने का वादा करता है, जिसे पैट्रिक, अरमान और कबीर के साथ वे फिर से याद करेंगे। इन किरदारों को प्रियांक शर्मा, आशिम गुलाटी और वीर राजवंत सिंह ने निभाया है। इन तीनों की सबसे अच्छी दोस्त महक है जिसकी जल्द ही शादी होने वाली है। महक का किरदार अदा शर्मा ने निभाया है। शो के बारे में अदा ने कहा, ष'द हॉलिडे' सभी आनंद और मजेदार पलों के बारे में है जो सच्ची दोस्ती की भावनाओं में निहित होती है। मुझे नहीं लगता कि किसी ने भी एक ऐसा बैचलोरेट् देखा होगा, जिसमें एक लड़की अपने 3 सबसे अच्छे दोस्तों के साथ जाती है, जो कि लड़के होते हैं। हालांकि अभी कोई कहीं हॉलिडे पर नहीं जा सकता, ऐसे में हम उन्हें बाहर की सैर कराएंगे।ष

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सीएम गहलोत की बहन ने दान किए 2 लाख 11 हजार रुपये

जोधपुर । कोरोना वायरस महामारी के दौरान राज्य सरकार व केंद्र सरकार की मदद करने के लिए आम और खास लोग लगातार सामने आ रहे हैं। इस क्रम मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बहन विमला देवी भी आगे आई हैं। उन्होंने अपने पति संतोष सिंह कच्छवाह की 94वीं जयंती के मौके पर मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपनी बचत में से 2,11,000 रुपए का चेक जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित को सौंपा है। इस मौके पर उनके पुत्र और सीएम गहलोत के भांजे जसवंत सिंह कच्छवाह, पुत्रवधु वीणा और दो पोते जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। बता दें कि सीएम अशोक गहलोत और विमला देवी के पिता बाबू लक्ष्मण सिंह जादूगर थे। उनसे खुद अशोक गहलोत ने जादू की कई कलाएं सीखी। इसी के चलते गहलोत को जादूगर नाम से भी संबोधित किया जाता है। बता दें कि सरकार के गठन के बाद खुद अशोक गहलोत कई बार पत्रकार वार्ता के दौरान अपने आप को जादूगर कह चुके हैं। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया कि मैं माली समाज से आता हूं और मेरी जाति का इतना संख्या बल नहीं है फिर भी मैं लगातार मुख्यमंत्री पद पर हूं। बता दें कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपनी बहन विमला देवी से खास लगाव है। चाहे कहीं भी और किसी भी परिस्थिति में रह रहे हों, वे राखी के अवसर पर उनके यहां जरूर पहुंचते हैं। इसके अलावा जब भी वे जोधपुर आते हैं तो अपनी बहन से जरूर मुलाकात करते है।

## जोशी ने कोविड–19 में सहयोग के लिए दी 1 करोड़ की राशि

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी ने कोविड –19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु लगाये गये लॉक डाउन में नाथद्वारा के प्रभावित परिवारों को खाद्यान किट और गर्भवती महिलाओं की जाँच, उपचार व पोषण सामग्री के लिए विधायक निधि से एक करोड़ रूपये की राशि दी है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी की यह पहल अनुकरणीय है।

डॉ.जोशी ने राजसमंद के जिला कलक्टर को भेजे पत्र में कहा है कि नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र के प्रभावित परिवारों को खाद्य सामग्री किट और क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं के चिकित्सकीय परीक्षण व उपचार के साथ परिवहन व पोषण सामग्री देने की व्यवस्था में इस राशि का उपयोग किया जाये। विधानसभा अध्यक्ष ने यह राशि मुख्यमंत्री कोविड–19 रिलीफ फण्ड में दी है। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि नाथद्वारा क्षेत्र के प्रभावित लोगों को दिये जाने वाले किट में हल्दी, नमक, मिर्च ,चायपत्ती, शक्कर, तेल, धनिया, चना दाल, बिस्किट, नहाने व कपडे धोने का साबुन होगा। डां जोशी ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को इस निधि से चिकित्सकीय परीक्षण व उपचार के लिए परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई जायेगी। डॉ. जोशी ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को आवश्यक दवाइयां फोलियोनेक्स्ट, ऑट्रिन व अन्य आयरन की टेबलेट प्रतिदिन एक व मक्सीकल टेबलेट प्रतिदिन एक के हिसाब से उपलब्ध कराई जायेगी। साथ ही गर्भवती महिलाओं को मास्क व मूंग, भुना चना, फल व बादाम आदि भी इस राशि से उपलब्ध कराये जायेंगे।

## सडक़ पर नोट किसने फेंके, पुलिस कर रही जांच

जयपुर । कोरोना ने लोगों को इस कदर डरा दिया है कि ना जाने कोरोना कहा किस जगह छिपा बैठा है इस डर की वजह से लोगों ने सरकार द्वारा जारी गई गाइडलाइन का पालन कर रहे है लेकिन इतने डरे हुए है इस अनुपालना के आगे भी निकल रहे है कई लोग तो नोट भी कोरोना होने की डर से सडक़ पर फेंक रहे है। ऐसा ही एक मामला जयपुर के सांगानेर के पास आशावाला गांव की सडक़ पर पर मिले 50–100 रूपये के नोटों का सामने आया है।

कोरोना संक्रमण की आशंका के चलते लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नोटों को जब्त किया सांगानेर के नजदीक स्थित आशावाला गांव के पास सडक़ पर नोट पड़े हुए थे बड़ी संख्या में 50 और 100 रुपए के नए पुराने नोट पड़े थे. कुछ बच्चे इन नोटों को उठाने का प्रयास कर रहे थे सभी गांव वालों की नजर पड़ गई। नोटों से संक्रमण की आशंका के चलते ग्रामीणों ने बच्चों को नोट उठाने से रोक दिया इस दौरान बड़ी संख्या में लोग इकत्रे हो गए. सूचना मिलने पर सांगानेर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिसकर्मियों ने जमीन पर पर इन पड़े नोटों को सावधानीपूर्वक उठाकर डिब्बे में बंद कर जब्त कर लिया फिलहाल अभी तक यह पता नहीं लग पाया कि सडक़ पर नोट किसने और क्यों फेंके थे. पुलिस इस मामले का पता लगा रही है।

## कॉलोनियों के गेट बंद कर दहशत ना फैलाये–खाचरियावास

जयपुर । गहलोत सरकार में परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने शहर के बाहरी क्षेत्र में लॉकडाउन की स्थिति का जायजा लेने कावंटिया, सैटेलाइट, टीबी, जनाना हॉस्पिटल पहुंचे जहां उन्होने उक्त अस्पतालों में कावंटिया को 50, सैटैलाइट अस्पताल को 50, टीबी हॉस्टिपल को 25, जनाना को 25 किटे वितरित की।

किट वितरण के बाद मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने गहलोत सरकार के चिकित्सा विभाग की तारीफ के साथ डॉक्टर्स, कोविड–19 से लडने वाले वॉरियर्स के हिम्मत और जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि ऐसे वक्त में लॉकडाउन और दहशत फैलाने वाले संदेशों से सरकार को कानूनी तौर पर निबटना आता है। उन्होने एक पत्रकार के प्रश्न की कोरोना के डर से शहर की कॉलोनियों में गली गली लगे गेटो को बंद कर लिया गया है इससे लोगों में आक्रोश है इस पर मंत्री ने कहा कि कोरोना से डरे नहीं सावधानी बरते और सरकार की जारी एडवाइजरी का पालन करें और लॉकडाउन का मतलब यह नहीं है कि गली का गेट बंद कर बैठ जायें ऐसे में उन लोगों को कितनी तकलीफ होगी खुदा ना खास्ता गली के किसी घर में कोई समस्या आ जायें। उन्होने कहा कि गलियों के गेट बंद कर दहशत ना फैलाये ऐसे लोगो को कानूनी सख्त कार्यवाही में जेल भी जाना पड सकता है उनका आश्रय था कि गेट लोगों की सुरक्षा के लिए लगाए गए थे ना कि परेशानी पैदा करने के लिए।

## राजस्थान के दो जिलों बीकानेर और चुरू को मिली कोरोना से मुक्ति

जयपुर । राजस्थान के दो जिलों बीकानेर और चुरू को कोरोना से मुक्ति मिल चुकी है। यहाँ सभी मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। राजस्थान में 33 जिले हैं जिनमें से 28 जिलों में कोरोना वायरस का संक्रमण था। अब बीकानेर और चुरू के कोरोना संक्रमण से मुक्त होने से यह संख्या 26 हो गई है।

बीकानेर में सात कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों को सही इलाज के बाद अस्पताल से विदा कर दिया गया। कलेक्टर ने उनको घर पर क्वारेंटाइन में रहने की सलाह और प्रमाण पत्र दिए। बीकानेर में 37 केस सामने आए थे। इनमें से एक की मौत हो गई। बाकी 36 मरीज ठीक हो चुके है और उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी मिल गई है।

चुरू से भी यहां 13 मरीज आए थे। इनको भी अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। चुरू राजस्थान का दूसरा जिला है, जहां 14 केस आए थे और सब ठीक हो चुके हैं। राजस्थान के स्वास्थ्य सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि ष्बीकानेर और चुरू में सभी केस ठीक हो गए हैं। राजस्थान में रिकवरी रेट भी देश के मुक़ाबले ज़्यादा अच्छा है।ष

## पिपरिया एसडीएम मदन रघुवंशी गरीबों को दिलवा रहे हरी सब्जियां

होशंगाबाद । कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए पिपरिया अनुभाग में भी लॉकडाउन का सख्ती से एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी द्वारा पालन कराया जा रहा है। वहीं जरूरतमंद लोगों को निरंतर खाद्यान्न सहित अन्य व्यवस्थाएं कराई जा रही हैं। एसडीएम रघुवंशी द्वारा समाजसेवी लोगों के माध्यम से भोजन पैकेट भी वितरित कराए जा रहे हैं। वहीं अब एसडीएम रघुवंशी, नपा सीएमओ प्रजापति, तहसीलदार राजेश बौरासी सहित राजस्व अमले के साथ सब्जी मंडी के थोक व्यापारियों से सब्जियां खरीदकर नगर के आसपास सहित ग्रामीण एरिये में बेसहारा असहाय जो झोपड़ियों में या खुले आसमान के नीचे या बंजारा परिवार जो तंबूओं में निवासरत है ऐसे परिवारों सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए निःशुल्क सब्जियां व दूध का वितरण कर रहे हैं। इस दौरान एसडीएम रघुवंशी व सीएमओ विनोद प्रजापति लोगों को इस आपदा में मदद के साथ ही कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय भी बता रहे हैं। सभी को समझाइश देते हुए बार–बार हाथ धेने और सेनेटाइजर लगाने की सलाह भी दे रहे हैं। लोगों को मास्क लगाने की भी अनिवार्यता से भी अवगत करा रहे हैं। एसडीएम रघुवंशी ने बताया कि जब तक कोरोना संक्रमण को लेकर लॉक डाउन रहेगा तब तक हम जरूरतमंद परिवारों को आवश्यकता अनुसार खाद्यान्न, सब्जी, दूध वितरित करते रहेगें।

## आदिवासी क्षेत्रों में पलायन रोकने के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने के निर्देश

### आदिम जाति कल्याण मंत्री सुमीना सिंह ने की योजनाओं की समीक्षा

रतलाम । आदिम जाति कल्याण मंत्री सुमीना सिंह ने कहा है कि आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के सिलसिले में होने वाले पलायन को रोकने के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाये जाने की जरूरत है। उन्होंने इन क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाये जाने के लिये भी कहा। और ऐसे कर्मियों, जो कोरोना संक्रमण के दौरान ड्यूटी में रहे हैं, उनका बीमा कराये जाने के निर्देश दिये।

मंत्री सुसिंह ने आदिवासी क्षेत्रों में अच्छे कार्य वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को दिये जाने वाले विभागीय पुरस्कारों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बैगा जनजाति की महिलाओं को दिये जाने वाली 1000 रुपये प्रोत्साहन राशि की भी जानकारी ली। बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने बताया कि प्रदेश में 69 कन्या शिक्षा परिसर संचालित हो रहे हैं। इनमें 40 हजार से अधिक आदिवासी बालिकाएँ शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। विभाग के 23 क्रीड़ा परिसरों में 2300 छात्र–छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं। विभाग द्वारा 2 लाख 73 हजार छात्र–छात्राओं को 256 करोड़ रुपये पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरित की गई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में हाट बाजारों में 400 से अधिक एटीएम लगाये जाने की प्रक्रिया तेजी से की जा रही है। आयुक्त आदिम जाति कल्याण बी. चन्द्रशेखर ने बताया कि विभाग द्वारा बनाये जा रहे भवन समय पर बन सकें। इसके लिये परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) के अधिकारियों के साथ निरंतर समीक्षा की जा रही है। बैठक में विभागीय बजट की भी जानकारी दी गई।

मंत्री सुसिंह मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक में योजनाओं की समीक्षा कर रही थीं। बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी भी मौजूद थीं।

मंत्री सुसिंह ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान दिये जाने की जरूरत है जहाँ किराये के भवनों में शालाएँ और छात्रावास संचालित हो रहे हैं, वहाँ पर सरकारी भवन प्राथमिकता के साथ बनाये जाना चाहिये। आदिम जाति कल्याण मंत्री ने कहा कि आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये कौशल विकास के काम शुरू किये जाएं। इन क्षेत्रों में सिलाई, कड़ाई और बुनाई के कामकाज को प्रथामिकता दें।

**शालाओं और छात्रावासों का सेनेटाईजेशन**

मंत्री सुमीना सिंह ने कहा कि प्रदेश में विभागीय शाला और छात्रावासों के भवनों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पहले का पूरी तरह से सेनेटाईज किया जाए। उन्होंने छात्रावासों और शालाओं के चौकीदार

## जरूरतमंद अधिवक्ताओं को दी जाएगी आर्थिक सहायता

### मध्यप्रदेश अधिवक्ता सहायता योजना कोष 2 करोड़ करने का निर्णय

### मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में न्यासी समिति की बैठक संपन्न

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संकट के इस दौर में न्यायालयों के बंद होने से हमारे बहुत से अधिवक्ताओं को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनको सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश अधिवक्ता सहायता योजना बनाई गई है। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया है कि इस योजना के लिए निर्धारित कोष की सीमा को एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर दो करोड़ रुपए कर दिया जाए, जिससे हम अधिक से अधिक जरूरतमंद अधिवक्ताओं को इस योजना का फायदा दे सकें। श्री चौहान मंत्रालय में मध्यप्रदेश अधिवक्ता सहायता योजना के संबंध में गठित न्यासी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

**– पात्र अधिवक्ताओं की संख्या होगी दोगुनी**

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारा यह प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक जरूरतमंद अधिवक्ताओं को इस योजना का लाभ मिल सके। इसके लिए उन्होंने प्रस्तावित योजना में पात्र अधिवक्ताओं की संख्या को दोगुना किए जाने के निर्देश दिए। योजना में किसी बार एसोसिएशन में अधिवक्ताओं की संख्या 25 से अधिक किंतु अधिकतम 100 तक होने पर योजना में पात्र अधिवक्ताओं की संख्या 5 रखी गई थी, जिसे मुख्यमंत्री ने 10 किए जाने के निर्देश दिए।

**– योजना का स्वरूप एवं उद्देश्य**

कोरोनावायरस के प्रसार के कारण अधिवक्ताओं को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः कमजोर आर्थिक स्थिति वाले अधिवक्ताओं को दैनिक जीवन निर्वाह के लिए आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से 'मध्यप्रदेश अधिवक्ता सहायता प्राकृतिक आपदा एवं अप्रत्याशित परिस्थिति योजना 2020' बनाई गई है। यह योजना मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा नामांकित अधिवक्ताओं पर लागू होगी। पात्र अधिवक्ता को किसी विशेष परिस्थिति में यह राशि देय होगी, जिसे अधिवक्ता परिषद की सलाह पर ही समिति समय–समय पर निर्धारित करेगी। किसी परिस्थिति विशेष में यह राशि 5000 से अधिक नहीं होगी।

**– आवेदन प्रक्रिया**

योजना में अधिवक्ता सदस्य अपने आवेदन मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद को संबोधित कर जिला/तहसील अधिवक्ता संघ को प्रस्तुत करेंगे। संबंधित जिला/तहसील अधिवक्ता संघ द्वारा आवेदन–पत्र का परीक्षण करने के बाद अनुशंसा सहित आवेदन–पत्र राज्य अधिवक्ता परिषद को स्वीकृति के लिये प्रेषित किए जाएंगे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव वित्त अनुराग जैन, प्रमुख सचिव विधि सत्येंद्र सिंह, सचिव गोपाल श्रीवास्तव उपस्थित थे। महाधिवक्ता पुरुषेन्द्र कौरव ने बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

## भाजपा में प्रचार की भूख बेहद शर्मनाक : नरेंद्र सलूजा

### कोरोना की इस महामारी में भी मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रीगण खुद के प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने बताया कि एक तरफ तो देश में कोरना महामारी का भीषण संकट का दौर चल रहा है , वही इस संकट के दौर में भी मध्यप्रदेश में भाजपा नेताओं की प्रचार प्रसार की भूख समाप्त नहीं हो रही है।

कभी प्रदेश के मुख्यमंत्री कोरोना की इस महामारी में बांटे जाने वाले आयुर्वेदिक चूर्ण पर भी खुद का फोटो लगा लेते हैं , कभी मंत्री गरीबों को बांटने वाले सरकारी राशन पर खुद का फोटो लगा रहे हैं , कभी भाजपा नेता मास्क के ऊपर खुद का फोटो लगा रहे हैं और अब तो हद हो गई प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल प्रदेश में किसानों की कठिनाइयों के निराकरण हेतु प्रदेश स्तर पर एक सुविधा केंद्र स्थापित करने की घोषणा करते हैं। बड़ा ही शर्मनाक है कि वे इस सुविधा केंद्र का नाम खुद के नाम पर वह अपनी पार्टी भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल के नाम पर रखते हुए उसे " कमल सुविधा केंद्र " का नाम देते हैं।

सलूजा ने बताया कि भाजपा के नेताओं की प्रचार प्रसार की भूख समाप्त नहीं हो रही है , वो तो इस महामारी में भी जमकर कोरोना के प्रोटोकॉल का मजाक उड़ाते हुए सोशल डिस्टेंसिंग को भूल फोटो खिंचवाने में लगे हैं ,अपना स्वागत कराने में लगे हैं , जैकेट व मास्क की मैचिंग में लगे हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में कोरना महामारी से प्रतिदिन मौतें हो रही है , प्रदेश देश में चौथे नंबर पर पहुँच गया है , संक्रमित लोगों व मृत्यु का आंकड़ा प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है , वहीं भाजपा के नेताओं को ऐसे समय में भी खुद के प्रचार प्रसार की भूख लगी हुई है। कांग्रेस इस नामकरण का विरोध करती है और इसे बदले जाने की माँग करती है।

## विकलांग महिला की मदद कर पुलिसकर्मियों ने मानवता की मिसाल पेश की

भोपाल। कोरोना संक्रमण की रोकथाम में महिला थाना प्रभारी अजिता नायर व महिला थाना स्टॉफ इमामीगेट पर ड्यूटी कर रहे थे, इसी दौरान करीब सवा 5 बजे एक विकलांग महिला उम्र करीब 55–60 साल जो कि पीरगेट तरफ से तीन पहिये वाली सायकल से आ रही थी, चढ़ाई काफी ज्यादा होने के कारण महिला को सायकल चलाने में काफी दिक्कत हो रही थी, तभी महिला थाना प्रभारी की नजर उक्त महिला पर पड़ी, उन्होंने साथ मे ड्यूटी कर रहे स्टॉफ को तत्काल मदद करने को कहा, तभी प्रधान आरक्षक प्रदीप शर्मा व आरक्षक नीरज घारू द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए डंडे के सहारे महिला की सायकल को धकाते हुए हमीदिया अस्पताल तक पहुंचाया। बातचीत करने पर उक्त महिला ने बताया कि वह अकेली रहती है, हमीदिया अस्पताल में काम था इसलिए अकेले ही आना पड़ा।

## आम रोगियों के लिए राहत बन कर आई मोबइल वैन

जयपुर । लॉकडाउन के चलते कोरोना के अलावा अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीजों का उपचार करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से शुरू की गई मोबाइल ओपीडी वैन आम रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हंसराज भदालिया ने बताया कि लॉकडाउन में आमजन को जांच एवं दवा वितरण की सेवाएं मोबाइल ओपीडी वैन के माध्यम से दी जा रही हैं। जयपुर जिला द्वितीय में वर्तमान में 12 मोबाइल मेडिकल ओपीडी वैन संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि मोबाइल मेडिकल ओपीडी वैन से शहरी क्षेत्र और सभी ब्लॉक्स में विभिन्न स्थलों पर लोगों की जांच एवं उपचार किया जा रहा है, जिनमें पुरूष, महिला व बच्चे भी शामिल हैं. इस मोबाइल मेडिकल ओपीडी वैन में नियुक्त चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ सर्दी , जुकाम, बुखार, मधुमेह, हाईपरटेंशन की जांच एवं उपचार के साथ–साथ गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच कर रहे हैं।

## जिले में अब तक 299667.85 क्विंटल गेहूँ की खरीदी

दतिया । जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदने के लिए बनाए गए खरीदी केन्द्रों पर गेहूँ उर्पाजन का कार्य चल रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक उर्पाजन केन्द्रों पर 299667.85 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है।

## कलेक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय कन्ट्रोलरूम ई–दक्ष केन्द्र में स्थापित कन्ट्रोलरूम में कर्मचारियों की ड्यूटी 31 मई तक

श्योपुर। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा नोबल कोरोना वायरय बीमारी कोविड–19 के प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुए जिले में किसी भी प्रकार के संक्रमण की सूचना के आदान–प्रदान हेतु कलेक्टर कार्यालय श्योपुर में जिला स्तरीय कन्ट्रोलरूम ई–दक्ष केन्द्र में स्थापित किया गया है।

अपर कलेक्टर श्री एसआर नायर द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस कन्ट्रोलरूम पर 90 कर्मचारियो की ड्यूटी तिथि और तीन पालियों में 24 घंटे के लिए 31 मई 2020 तक लगाई गई है। इस कन्ट्रोलरूम पर दूरभाष क्रमाण 07530–222631 स्थापित किया गया है। कन्ट्रोलरूम का प्रभारी अधिकारी अधीक्षक भू–अभिलेख श्री अनिक कुमार शर्मा मो.न. 9425337264 एवं सहायक पेंशन अधिकारी श्री गिर्रा

बारिश व ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान की शीघ्र होगी भरपाईः ललिता यादव

## कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने प्रभावित गांवों के सर्वे के दिये निर्देश

छतरपुर । छतरपुर की पूर्व विधायक और प्रदेश सरकार की पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने छतरपुर विधानसभा के रामपुर, ढिलापुरा, देरी, धौरी, कालापानी व महेबा में आज तड़के तेज बारिश, आंधी तूफान व ओलावृष्टि से किसानों के मकान, पेड़ व जानवरों को हुई भारी क्षति के संबंध में जिला कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह से बात की।पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह से किसानों को हुई क्षतिपूर्ति के लिए तत्काल सर्वे कराने की बात की जिस पर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने राजस्व अमले को सर्वे कर जानकारी तैयार करने के निर्देश दिए।श्रीमती ललिता यादव ने क्षेत्रवासियों से कहा कि प्रदेश की शिवराज सिंह सरकार कोरोनो के साथ ही हर समस्या के समाधान में आप सबके साथ है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के ओलावृष्टि व आंधी–तूफान से प्रभावित सभी ग्रामीण किसानों को आश्वस्त किया है कि सरकार उनको हुए नुकसान की भरपाई के लिए हमेशा साथ थी और रहेगी।पूर्व मंत्री ललिता यादव ने कहा कि क्षेत्रवासियों को हुए नुकसान की जानकारी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को देकर व राहत राशि दिलाने की शीघ्र व्यवस्था करायेगी।

## कॉम्पिस्ट ने की प्रधानमंत्री से डीजल की दर एक निश्चित समय के लिए कम करने की मांग

भोपाल। कॉम्पिस्ट के अध्यक्ष गोविंद गोयल एवं सचिव संजय बुलचंदानी ने प्रधानमंत्री, वित्तमंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस एवं मंत्रालय के सचिवों को पत्र लिखकर अवगत कराया कि क्रूड के भाव आज दुनिया में सबसे कम है। वर्तमान दरों पर क्रूड खरीदकर क्रुड का भंडारण बढ़ाये, जिससे सरकार को फायदा हो, भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए और भंडारण बढ़ाएं तथा डीजल निश्चित अवधि के लिए किसानों, उद्योगपतियों, व्यापारियों को सस्ते दाम पर उपलब्ध कराएं, जिससे सरकार का भंडारण खाली हो और सरकार सस्ते दाम पर खरीद सके। कॉम्पिस्ट ने वर्तमान परिस्थितियों में डीजल के भाव में करीब 1 महीने के लिए 15 से 25: छूट की मांग की है, जिससे परिवहन सस्ता हो तथा किसानों का भी फायदा हो।

## आरएसी व पुलिस लाइन्स में चिकित्सा की विशेष व्यवस्था

जयपुर । प्रदेश सभी आरएसी बटालियनों में कोरोना को दृष्टिगत रखते हुए जवानों को स्क्रीनिंग सहित चिकित्सा की विशेष व्यवस्थाए की गई है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस आर्म्ड बटालियन्स श्री श्रीनिवास राव जंगा ने बताया कि सभी आर्म्ड बटालियन्स में नियुक्त चिकित्सकों को विशेष सतर्कता बरतने एवं सभी जवानों की समय–समय पर स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए गए हैं । उन्होंने बताया कि सामान्य चिकित्सा व्यवस्था के दौरान भी कोरोना को ध्यान में रखते हुए विशेष सावधानी बरतने के लिए कहा गया है ।

कोरोना की एडवाइजरी का पालन करने के साथ ही विशेष रुप से सोशल डिस्टेंसिंग पर खास ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं ।

सभी जवानों को मास्क व सेनेटाइजर्स उपलब्ध कराए गए हैं तथा कोरोना से बचाव के बारे में जागरूक भी किया गया है। हॉटस्पॉट पर काम करने वाले जवानों को निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार हाइड्रोक्सी क्लोरो क्वीन दी गई है ।

परकोटे में तैनात जवानों की स्क्रीनिंग के साथ ही उनके परिजनों की भी स्क्रीनिंग की गई है । परकोटे में कार्यरत आरएसी के जवानों की समय–समय पर निरंतर स्क्रीनिंग की जा रही है। बटालियन मुख्यालय पर जवानों और अधिकारियों के निवास और कार्यालयों को निरंतर सेनेटाइज किया जा रहा है व लॉक डाउन के प्रावधानों का पालन भी किया जा रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# चंद्र पर्वत का है जीवन में अहम स्थान

हमारे जीवन में हाथों की रेखाओं के साथ ही कई अन्य निशान भी होते हैं जिससे किसी के भी बारे में जाना जा सकता है। हाथ में चंद्र पर्वत बेहद महत्वपूर्ण और जीवन के बारे में बहुत कुछ बताने वाला होता है। यदि चंद्र पर्वत सामान्य विकसित हो तो जातक बहुत जल्दी सपनों की दुनिया में ही लाखों कमा लेते हैं। करोड़ो रूपये का हिसाब–किताब इनकी उंगलियों पर चलता है। हालांकि ये योजनाएं धरातल पर कम और काल्प. निक ज्यादा होती हैं। इसलिए कोई भी योजना ये पूरी नही कर पाते और ना ही इनके अंदर कोई कार्य करने का साहस होता है।इस तरह के जातक हद से ज्यादा भावुक होते हैं। किसी भी व्यक्ति की हल्की से बात इनको अंदर तक झकझोर देती है। इनको दूसरों की बातें बहुत जल्दी चुभती हैं। इनके अंदर साहस ना के बराबर होता है। ये लोग निराशा वादी होकर जल्दी पलायन कर जाते हैं।

यदि चंद्र पर्वत हथेल से बाहर निकल जाए तो ये जातक स्त्री के पीछे रहने वाले भोगी होते है। इन्हें जीवन में भोग और विलास से अलग कोई और कार्य नही सूझता। यदि चंद्र पर्वत पर आड़ी–टेड़ी रेखाएं हों तो जातक अपने जीवन में जल यात्रा करता है और यात्रा करने का बहुत ही ज्यादा शौकीन होता है। यदि चंद्र पर्वत गोल गिरा हो तो जातक राजनीति कार्य से विदेश यात्रा करता है। जिन जातकों का चंद्र पर्वत सामान्य रूप से उभरा हुवा हो तो जातक समझदार माना जाता है। यदि किसी जातक के हाथ में चंद्र पर्वत अधिक उभरा हुवा होता है तो वे जातक स्थिर, पागल, वहमी , निराश, रहने वाले होते है। इन्हें सरदर्द की शिकायत रहती है।

वहीं जिस व्यक्ति की हथेली पर स्थित हृदय रेखा हथेली के किनारे से निकलती है, तो ऐसा व्यक्ति कुण्ठा एवं निराशा से उत्पन्न होने वाले क्रोध में आदर्श की प्रवृत्ति रखता है। ऐसा व्यक्तियों को मनुष्यों की अपेक्षा मूर्तियों से ज्यादा प्रेम होता है। ऐसा व्यक्ति कभी भी मानवीय सीमाओं को मान्यता नहीं देता। ऐसा व्यक्ति सदा ही सच्चे एवं निर्दोष मित्र तथा अनुनाइयों की कामना रखता है।

ज्योतिष के अनुसान जिस व्यक्ति की हथेली पर स्थित हृदय रेखा छोटी होती है तो ऐसा व्यक्ति उदासीन, कठोर एवं अत्यधिक क्रूर प्रवृत्ति का होता है। किन्तु यदि हृदय रेखा लम्बी है तो यह सम्बंधित व्यक्ति के दयालु एवं स्नेही स्वभाव वाला होने की सूचक है। जिस व्यक्ति की हथेली पर स्थित हृदय रेखा गहरी बनी होती है ऐसा व्यक्ति गिने चुने मित्रों के प्रति गहरे स्नेह एवं आदर के भाव रखता है। किन्तु यही हृदय रेखा चौड़ी बनी हो तो सम्बंधित व्यक्ति के असंख्य लोगों के प्रति उमड़े प्रेम की कहानी कहती जिस व्यक्ति की हथेली पर स्थित हृदय रेखा जब हथेली को लम्बे मोड़ से काटती हुई जाती है, तो सम्बंधित व्यक्ति उत्साहपूर्ण एवं भावुक प्रवृत्ति वाला होता है। ऐसे व्यक्ति का हृदय सच्चा होता है एवं यह अच्छा साथी भी सिद्ध होता है। इस प्रकार की हृदय रेखा के स्वामी व्यक्ति प्रिय पुत्र, स्नेही मित्र एवं आज्ञाकारी बच्चे सिद्ध होते हैं।

# भगवान विष्णु ने धारण किए हैं कई रुप

भगवान विष्णु श्री हरि ने देवताओं और भक्तों के कल्याण के लिए वामन, मत्यस्य, कच्छप और नरसिंह सहित अन्य कई रूप ध ारण किए हैं। ग्रंथों में ऐसे ही एक और स्वरूप की कथा मिलती है, जिसका उद्देश्य हयग्रीव नामक दैत्य से देवताओं को मुक्ति दिलाना था।

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार भगवान विष्णु वैकुंठ धाम में एक धनुष की डोरी के सहारे काफी गहरी नींद में सो गए थे। उसी समय स्वर्ग लोक में हयग्रीव नामक दैत्य ने अपनी सेना सहित खूब आंतक मचा रखा था। तब देवता अपनी समस्याएं लेकर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे।

ब्रह्मा जी ने सभी देवताओं को श्री हरि विष्ण ु के पास जाने को कहा। इसपर सभी वैकुंठ लोक पहुंचे, वहां देखा कि नारायण तो गहरी निद्रा में लीन हैं। सभी परेशान होकर फिर से ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। उनसे बताया कि श्री हरि तो निद्रा में लीन हैं। कथा के अनुसार तब ब्रह्मा जी ने विष्णु को जगाने के लिए वम्री नामक कीड़े को भेजा। उस कीड़े ने जाकर धनुष की डोर को काट दिया जिसके सहारे नारायण सो रहे थे। कीड़े के डोर को काटते ही उसी डोर से भगवान विष्णु का शीश कट गया।

भगवान विष्णु का शीश कटते ही समस्त ब्रह्मांड में अंधेरा छा गया। देवता परेशान हो गए कि यह क्या हो गया? अब क्या होगा? तभी ब्रह्मा जी ने सभी देवताओं को देवी भगवती की स्तुति करने के लिए कहा। आराध ाना से मां भगवती प्रसन्न हुईं और देवताओं को दर्शन देकर बताया कि यह सब कुछ दैत्य हयग्रीव के वध निमित्त हुआ है। उन्होंने बताया कि अश्वमुखी हयग्रीव ने तपस्या करके यह वरदान प्राप्त किया है कि उसे कोई अश्वमुखी मनुष्य ही मार सकता है। इसीलिए श्री हरि विष्णु का यह रूप लेना ही था। इसके बाद नारायण को घोड़े का सिर लगाया गाया और उन्होंने दैत्य हयग्रीव का संहार किया। इसके बाद देवताओं को स्वर्ग लोक प्राप्त हो गया।

# श्मशान में बना यह मंदिर है सबसे अलग

बिहार के दरभंगा में चिता पर बना है मां काली का धाम श्यामा काली मंदिर कुछ मामलों में यह मंदिर सबसे अलग है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और सभी मांगलिक कार्य भी किए जाते हैं। इस मंदिर को श्यामा माई के मंदिर के नाम से पर जाना जाता है। श्यामा माई का मंदिर श्मशान घाट में महाराजा रामेश्वर सिंह की चिता पर बनाया गया है और यह अपने आप में असामान्य घटना है। महाराजा रामेश्वर सिंह दरभंगा राज परिवार के साधक राजाओं में थे। राजा के नाम के कारण ही इस मंदिर को रामेश्वरी श्यामा माई के नाम से जाना जाता है। मंदिर की स्थापाना 1933 में दरभंगा के महाराज कामेश्वर सिंह ने की थी।

गर्भगृह में मां काली की विशाल प्रतिमा के दाहिनी ओर महाकाल और बाईं ओर गणपति एवं बटुकभैरव देव की प्रतिमा स्थापित है। मां के गले में जो मुंड माला है उसमें हिंदी वर्णमाला के अक्षरों के बराबर मुंड हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि हिंदी वर्णमाला सृष्टि की प्रतीक हैं। मंदिर में होनेवाली आरती का विशेष महत्व है। यहां आए भक्तजन मंदिर आरती में शामिल होने के लिए घंटों इंतजार करते हैं। नवरात्र के दिनों में यहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ जाती है और मेला लगता है।

इस मंदिर में मां काली की पूजा वैदिक और तांत्रिक दोनों विधियों से की जाती है। आमतौर पर हिंदू धर्म में शादी के एक साल बाद तक जोड़ा श्मशान भूमि में नहीं जाता है लेकिन श्मशान भूमि में बने इस मंदिर में न केवल नवविवाहित आशीर्वाद लेने आते बल्कि इस मंदिर में शादियां भी सम्पन्न कराई जाती हैं। जानकारों का कहना है कि श्यामा माई माता सीता का रूप हैं। इस बात की व्याख्या राजा रामेश्वर सिंह के सेवक रहे लालदास ने रामेश्वर चरित मिथिला रामायण में की है। यह वाल्मिकी द्वारा रचित रामायण से ली गई है। इसमें बताया गया है कि रावण का वध होने के बाद माता–सीता ने भगवान राम से कहा कि जो भी सहत्रानंद का वध करेगा वही असली वीर होगा।

इस पर भगवान राम उसका वध करने निकल पड़े। युद्ध के दौरान सहस्रानंद का एक तीर भगवान राम को लग गया। इस पर माता सीता बेहद क्रोधित हुईं और सहस्रानंद का वध कर दिया। क्रोध से सीता माता का रंग काला पड़ गया। वध करने के बाद भी उनका क्रोध शांत नहीं हुआ तो उन्हें रोकने के लिए भगवान शिव को स्वयं आना पड़ा। भगवान के सीने पर पैर पड़ते ही माता बहुत लज्जित हुईं और उनके मुख से जीह्वा बाहर आ गई। माता के इसी रूप की पूजा की जाती है और उन्हें यहां काली नहीं श्यामा नाम से पुकारा जाता है।

# शुभ फलदायी होती है श्रीगणेश की आराधना

**उपासना से अलग–अलग मनोकामना पूर्ति के वरदान पाए जा सकते हैं। श्रीगणेश की आराधना शुभ फलदायी होती है। श्रीगणेश की पूजा बुध ावार को अगर की जाए तो गणपति शीघ्र प्रसन्न होते हैं और मनचाहा वरदान देते हैं।**

बुधवार का दिन भगवन गणेश और और बुध ग्रह से संबंध रखता है।

इस दिन भगवन गणेश और बुध ग्रह की विशेष उपासना से हर मनोकामना पूरी की जा सकती है।

बुधवार के दिन उपाय करते समय श्रद्धा और विश्वास बनाए रखें और उपाय के दिनों में पूर्ण सात्विक रहें।

भगवान गणेश और बुध ग्रह की पूजा की कुल सामग्रियों को खरीद कर घर के पूजा स्थान में रखें।

गणपति और बुध ग्रह को प्रसन्न करने के लिए रोली, मोली, चावल, धूप, दीप, मोदक, हरी दूर्वा लें।

गणपति स्तोत्र की पुस्तक, जल का पात्र, लाल या पीला आसन आदि रखें।

भगवान गणेश और बुध ग्रह को सरल पूजा विधि और सरल से मंत्रों से आसानी से मनाया जा सकता है.

**मनचाहे विवाह के लिए उपाय–**

शुक्लपक्ष के बुधवार को शाम के समय भगवान गणेश का शुद्ध सिन्दूर से श्रृंगार करें।

उन्हें पीले रंग के वस्त्र और 11 पीले फूल तथा 11 मोदक अर्पित करें। साथ ही शुद्ध घी का दीया जलाएं।

अब एक पीले आसन पर बैठकर ष्ओम विघ्नहर्त्रे नमःष का 3 माला जाप करें और पूरी पूजा में मन को शांत रखें।

इसके बाद उस पीले वस्त्र को संभालकर अपने पास रख लें।

**संतान प्राप्ति के महाउपाय**

बुधवार को सुबह के समय भगवान गणेश को लाल फूलों की माला अर्पित करें।

अब लाल आसन पर बैठकर पूर्वदिशा में मुंह करके ष्संतान गणपति स्तोत्रष का पाठ करें।

ष्ओम उमापुत्राय नमःष का 108 बार जाप करें।

अर्पित किए हुये फलों की माला के फल बच्चों में बांट दें।

ऐसा लगातार करते रहें जब तक आपका कार्य सिद्ध ना हो।

कार्य सिद्ध हो जाने पर गणपति को 108 लड्डुओं का भोग लगाएं और जरूरतमंद बच्चों में बांट दें।

**मनोकामना पूर्ति के लिए ये उपाय करें–**

बुधवार की सुबह स्नान करके भगवान गणेश को लाल गुलाब के फूलों की माला अर्पित करें।

इसके बाद लाल फल, लाल वस्त्र तथा ताम्बे का एक सिक्का भी अर्पित करें।

ष्ओम सर्वसौख्यप्रदाय नमःष मन्त्र का 5 माला लाल चन्दन या रुद्राक्ष की माला से जाप करें।

लाल वस्त्र में सिक्का बांधकर अपने पास रख लें।

अपने मकान बनाने की इच्छा भगवान गणेश के सामने जरूर कहें।

ये उपाय लगातार तीन मंगलवार पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ करें।

**इसा प्रकार करें पूजा**

रोज सुबह स्नान के बाद साफ वस्त्र पहनें।

श्री गणेश को पांच दूर्वा यानी हरी घास अर्पित करें।

दुर्वा श्री गणेश जी के मस्तक पर रखना चाहिए।

श्रीगणेश के चरणों में दुर्वा कभी ना रखें।

दुर्वा अर्पित करते समय मंत्र बोलें।

ये मंत्र है 'इदं दुर्वादलं ऊं गं गणपतये नमः'

ऐसा करने से आपकी मनोकामना पूरी होगी।

**शीघ्र प्रसन्न होंगे गणपति–**

श्री गणेश को तिलक लगाने के बाद अपने माथे पर भी तिलक लगाएं।

इससे गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है।

इससे आर्थिक क्षेत्र में आने वाली परेशानी दूर होगी।

# सात्विक आहार से बनता है मनोबल

कोरोना वायरस महामारी के इस कठिन दौर में हमें अपना धैर्य और संयम बनाये रखने के लिए सात्विक आहार का सेवन करना चाहिये। हम कैसा आहार लेते है संयमित जीवन के लिए वह सबसे अहम होता है क्योंकि उसका हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मन का अच्छा रहना, मनोबल का अच्छा रहना सारा खानपान पर निर्भर करता है। जो व्यक्ति राजसी भोजन करते हैं, मिर्च–मसाले अधिक खाते हैं उनमें मनोबल की कमी होती है। वहीं सात्विक आहार संतुलित जीवन का आधार है, राजसी आहार आवेश और आवेग पैदा करता है, लेकिन तामसिक आहार तो समस्याओं का उत्पत्ति केंद्र है। यदि हम अन. पात निकालें तो यह समीकरण होगा– सात्विक आहार करने वाले व्यक्ति में साठ प्रतिशत मनोबल होता है, राजसी आहार करने वाले में तीस प्रतिशत और तामसिक आहार करने वाले में दस प्रतिशत मनोबल होगा। आहार एक सशक्त उपाय है मनोबल को बढ़ाने का। इसीलिए जितने भी आध्यात्मिक योगी हुए हैं, उन्होंने सबसे पहले आहार पर ध्यान दिया है। जन्म से ही जिनका मनोबल प्रबल नहीं है, वे आहार के माध्यम से अपने मनोबल को बढ़ा सकते हैं, उसका विकास कर सकते हैं।

संकल्प से मनोबल का विकास किया जा सकता है। मनोबल का एक नियामक तत्व है धैर्य। धैर्य जीवन की सफलता के लिए सबसे जरुरी है। धैर्य का विकास सात्विक आहार के बिना संभव नहीं है। धैर्य की कमी बेचैनी देती है और बेचैनी तनाव। और अगर यह हमेशा होता है तो दिमाग का हर समय तनाव में रहना हमें गुस्सा, क्रोध और अवसाद के मुहाने पर खड़ा कर देता है। धैर्य न होने पर हम बस दौड़ते रह जाते हैं। कहीं संतुष्टि नहीं होती। थोड़ा कुछ होते ही लड़खड़ा जाते हैं। मनोबल ही वह आधार है जो हमें संतुलित जीवन की राह पर अग्रसर करता है।

जिस व्यक्ति में उत्तम मनोबल जाग जाता है, दूसरे शब्दों में कहा जाए तो संकल्प शक्ति का मनोबल जाग जाता है, दुःख–बहुल और समस्याओं से आक्रांत इस जगत में उसका जीवन सचमुच निर्बाध हो जाता है। कोई भी शक्ति उसे झुका नहीं सकती, दुःखी नहीं बना सकती।

सुखी बनने का शास्त्रोक्त मंत्र है मनोबल का विकास। वही व्यक्ति इस दुनिया में सुखी बन सकता है, जिसने मनोबल को विकसित कर लिया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## आज का इतिहास 30 अप्रैल

1030 गजनी के सुल्तान महमूद की मौत हुई.
1789 जार्ज वाशिंगटन अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने.
1824 मिस्त्र ने क्रीट पर कब्जा किया.
1863 ईस्ट इंडिया कंपनी की नौसेना ब्रिटिश नौसेना में शामिल की गई.
1870 हिन्दी सिनेमा के जनक दादासाहब फाल्के का जन्म.
1881 फ्रांस की नौसेना ने बिजेर्टा पर कब्जा किया और सैनिकों को ट्यूनिस पर किया.
1900 हवाई अमेरिका का राज्य बना.
1908 क्रांतिकारी खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मजिस्ट्रेट किंग्स फोर्ड पर बम फेंका, लेकिन दो निर्दोष महिलाएं मारी गई.
1936 महात्मा गांधी ने सेवाग्राम आश्रम को अपना आवास बनाया.
1953 ब्रिटिश गुयाना में पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी को पहले चुनावों में भारी सफलता मिली.
1970 अमेरिका ने कंबोडिया के भीतरी इलाकों में कम्युनिस्टों के ठिकानों पर कारवाई की अनुमति दी.
1975 उत्तर वियतनाम की कम्युनिस्ट फौजों ने सैगान पर कब्जा किया और इसी के साथ वियतनाम युद्ध समाप्त हुआ.
1986 सोवियत संघ ने चेनोबिल परमाणु संयंत्र दुर्घटना के बाद 197 व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया.
1990 पश्चिम बेरुत में बंधक बनाये गये अमेरिकी फ्रैंक रीड को साढे तीन साल बाद रिहा किया गया.
2001 तीर्थयात्रियों को बद्रीनाथ ले जा रही बस अलकनंदा नदी में गिरी, 24 मरे.

## (राजकाज) विकास की नई उम्मीद

कोरोना संकट के इस दौर में सुकून देने वाली एक खबर यह है कि चीन छोड़कर भारत में मैन्युफैक्चरिंग इकाई लगाने की इच्छुक लगभग 1000 कंपनियों ने भारत सरकार से संपर्क साधा है। इनमें कम से कम 300 कंपनियां मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइसेज, टेक्सटाइल्स और सिंथेटिक फैब्रिक्स के क्षेत्र में भारत में फैक्ट्रियां लगाने के लिए सरकार से सक्रिय संवाद में हैं। अगर बातचीत सफल होती है तो कोरोना संकट से तबाह दिख रही हमारी अर्थव्यवस्था में एक नई जान आएगी।

## अमेरिका की मनमानी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना के संकट के बीच अमेरिका फर्स्ट का राग अलापा है और नए ग्रीन कार्ड जारी करने या वैध स्थायी निवास की अनुमति देने की प्रक्रिया पर अगले 60 दिन के लिए रोक लगा दी है और कह रहे हैं कि भारत उनकी मजबूरी समझेगा। बकौल ट्रंप, कोरोना वायरस के कारण अर्थव्यवस्था पर जो असर पड़ा है उसे ध्यान में रखते हुए यह कदम अमेरिकी श्रमिकों की नौकरियों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। यह भी कि नए आव्रजकों पर इस रोक से अहम चिकित्सा संसाधनों को अमेरिकी नागरिकों के लिए बचाकर रखने में मदद मिलेगी।

## लॉकडाउन कब तक

कोरोना वायरस की वजह से पूरे देश में 14 अप्रैल तक लॉकडाउन है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर कब तक लॉकडाउन चलेगा। सरकार की दुविधा भी बढ़ रही है कि वह इसे पूरी तरह समाप्त करे या और आगे बढ़ाए। अभी स्थिति यह है हर दिन के साथ कोरोना संक्रमितों की संख्या में पांच सौ या इससे ज्यादा की बढ़ोतरी हो रही है। लेकिन दूसरी तरफ लॉकडाउन के कारण सारी आर्थिक गतिविधियां ठप हैं, जिससे अंदर ही अंदर एक ऐसे संकट को मजबूती मिल रही है, जो आगे चलकर विस्फोटक रूप ले सकता है। इनके अलावा तीसरा फैक्टर यह है कि खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी लॉकडाउन को कोरोना से लडने का पर्याप्त उपाय नहीं माना है।

## छोटे स्तर के धंधे पूरी तरह चौपट

गरीब तबका किसी तरह जीवन यापन कर रहा है लेकिन वह कब तक इस तरह बैठा रहेगा? असंगठित और छोटे स्तर के धंधे पूरी तरह चौपट हो गए हैं। निर्माण कार्यों का चक्का एकदम रुका हुआ है। छोटे–मोटे खाने–पीने की दुकानें और तमाम तरह की सर्विसेज बंद हैं। फैक्ट्रियों के बंद होने से चिकित्सकीय सामग्री भी नहीं बन पा रही है। ऐसे में रास्ता यही बचता है कि चुनिंदा दायरों मे उत्पादन कार्य किसी तरह शुरू हो ताकि हम चिकित्सा उपकरण और खाद्य सामग्री बना सकें। इससे खाली बैठे श्रमिकों को काम मिलेगा, चिकित्साकर्मियों को जरूरी उपकरण मिल सकेंगे और लोगों की जांच का काम भी तेज होगा।

## प्रसंगतः स्वर्ग और नरक

गणेश भक्त मुद्गल के परोपकार के कार्यों से प्रसन्न होकर एक बार देवराज इंद्र ने गणेश से कहा, 'मेरी इच्छा है कि मुनि मुद्गल को स्वर्ग में लाकर उनका सम्मान किया जाए।' इस पर नारद जी बोले, 'लेकिन क्या मुनि स्वर्ग में आने को तैयार होंगे?' वहां उपस्थिति सभी लोगों ने आश्चर्य से कहा, 'स्वर्ग में आने के लिए तो पृथ्वी लोक के सभी लोग, चाहे वे संत हों या किसान, लालायित रहते हैं। यह तो मुनि मुद्गल का सौभाग्य है कि इंद्र स्वयं उन्हें यहां आमंत्रित कर रहे हैं।' नारद ने कहा, 'फिर भी एक बार उनसे पूछ तो लेना चाहिए।' इंद्र ने अपने दो दूतों को मुनि मुद्गल के पास भेजा। दूतों ने जब मुनि को इंद्र का संदेश सुनाया तो वह बोले, 'देवदूतों, आप तो हमारे अतिथि हैं। हम आप का सम्मान करते हैं लेकिन मैं पृथ्वी लोक छोड़ कर कहीं नहीं जाऊंगा। मेरी जरूरत पृथ्वी पर है, स्वर्ग लोक में नहीं। दुखियों की सेवा करके मुझे जो आनंद यहां मिल रहा है, वैसा स्वर्ग लोक में नहीं मिलेगा।' देवदूतों ने कहा, 'मुनिवर, पृथ्वी लोक का हर व्यक्ति स्वर्ग में जगह पाने के लिए उत्सुक रहता है। फिर आप क्यों नहीं जाना चाहते?' मुनि ने कहा, 'वत्स, स्वर्ग और नरक तो पृथ्वी पर भी है। यह हमारी इच्छा पर है कि इसे स्वर्ग बनाएं या नरक। परोपकार के कार्य करके पृथ्वी को स्वर्ग बनाया जा सकता है और अधर्म का काम करके नरक। मैं पृथ्वी को स्वर्ग बनाने का काम कर रहा हूं। आप देवराज इंद्र से कहना कि मैं अपनी कुटिया छोड़ कर उनके स्वर्ण सिंहासन पर बैठने का दुख सह नहीं पाऊंगा।' यह वार्तालाप स्वर्ग लोक में बैठे इंद्र ध्यान से सुन रहे थे। वह नारद की ओर देख कर बोले, 'उनका पूरा जीवन परोपकार के कार्यों में व्यतीत हो रहा है, उनके पास स्वर्ग और नरक में अंतर करने का समय ही कहां है। अब हमें स्वयं महर्षि के पास जाकर उन्हें सम्मानित करना होगा।'

## लॉफिंग ज़ोन

नाना ने कुछ बडे हो गए नाती को गुर की बात समझाते हुए कहा– 'बेटा अब कोई काम धन्धा जमा लो, बेकार फिरना अच्छी बात नहीं। जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैंने दुकान में 50 रूपये की नौकरी की थी। फिर छः साल बाद उतनी ही बडी दुकान बना ली थी।'

नाती से रहा न गया। बोल पडा– 'नाना जी, अब वे जमाने लद गए। अब वैसी तिकडम नहीं चलती। हर जगह कायदे के अनुसार हिसाब–किताब रखा जाता है।'

□ □ □

नवविवाहित जोंडा जब हनीमून मनाने के लिए हिल स्टेशन के एक होटल में पंहुचा तो मैनजेर ने दूल्हे को देखते ही उसका नाम रजिस्टर में लिख दिया।

दुल्हन ने खुशी के मारे मैनेजर से पूछा– क्या मेरे पति इतने मशहूर है कि आपकों उनका नाम–पता पूछने की जरूरत ही नही पडी बात असल में यह है देवीजी मैनेजर ने कहा–आपके पति हमारे होटल में हर वर्ष हनीमून मनाने आते है।

□ □ □

भोलाराम का बेटा मां से बोला– अम्मी तुम भी पिताजी की तरह क्रिकेट में छक्के लगा सक ती हो।

छक्के लगा तो नहीं सकती ,छुडा सकती हूं, मां बोली।

## दैनिक पंचांग

**30 अप्रैल 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

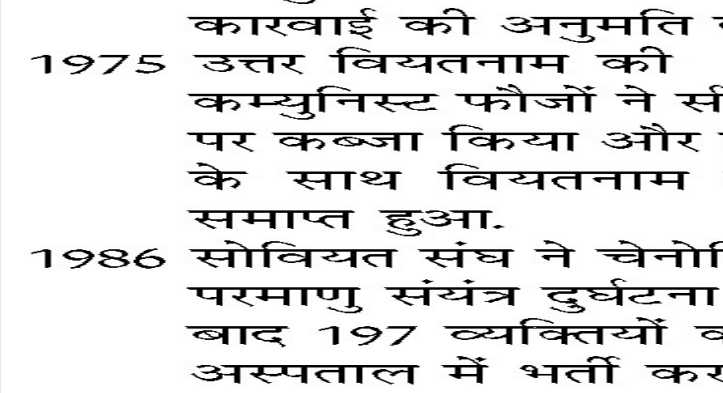


| ग्रह स्थिति | |
|---|---|
| सूर्य | मेष में |
| चंद्र | कर्क में |
| मंगल | मकर में |
| बुध | मेष में |
| गुरु | मकर में |
| शुक्र | वृष में |
| शनि | मकर में |
| राहु | मिथुन में |
| केतु | धनु में |

**राहुकाल** 1.30 से 3.00 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| वृष | 6.20 बजे से |
| मिथुन | 8.18 बजे से |
| कर्क | 10.31 बजे से |
| सिंह | 12.47 बजे से |
| कन्या | 14.59 बजे से |
| तुला | 17.10 बजे से |
| वृश्चिक | 19.25 ब.से |
| धनु | 21.41 बजे से |
| मकर | 23.46 बजे से |
| कुंभ | 1.32 बजे से |
| मीन | 3.05 बजे से |
| मेष | 4.36 बजे से |

**गुरुवार** 2020 वर्ष का 121 वां दिन
**दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
**विक्रम संवत्** 2077 **शक संवत्** 1941
**मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** सप्तमी 14.40 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पुष्य 01.53 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** शूल 20.08 बजे को समाप्त।
**करण** वणिज 14.40 बजे तदनन्तर विष्टि 02.08 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 6.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 51'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1870504
**जूलियन दिन** 2458969.5
**कलियुग संवत्** 5121
**कल्पारंभ संवत्** 1972949121
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885121
**वीरनिर्वाण संवत्** 2546
**हिजरी सन्** 1441
**महीना** रमजान
**तारीख** 06
**विशेष** गंगा सप्तमी, ग्राम जयंती।

**दिन का चौघड़िया**

| | | | |
|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक |
| रोग | 07.22 से | 08.51 बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 से | 10.19 बजे तक |
| चर | 10.19 से | 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक |
| अमृत | 01.15 से | 02.43 बजे तक |
| काल | 02.43 से | 04.11 बजे तक |
| शुभ | 04.11 से | 05.40 बजे तक |

**रात का चौघड़िया**

| | | | |
|---|---|---|---|
| अमृत | 05.40 से | 07.11 बजे तक |
| चर | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| रोग | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| काल | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| शुभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| अमृत | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

**आज का कार्टून**

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## गुजरात का कच्छ जिला हुआ कोरोना मुक्त

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के बीच एक राहत की खबर आई हैद्य राज्य का सीमावर्ती जिला कच्छ कोरोना मुक्त हो गया हैद्य हांलाकि जिले में फिलहाल एक मरीज के रिपोर्ट का इंतजार है और उसकी रिपोर्ट भी नेगेटिव आती है तो कच्छ कोरोना मुक्त हो जाएगाद्य कच्छ जिले के माधापर के एक मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आई है और जल्द ही उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगाद्य इसके अलावा कच्छ के सभी पत्रकारों की रिपोर्ट भी नेगेटिव आई हैद्य कच्छ में कोरोना के 6 पॉजिटिव केस सामने आए थेद्य जिसमें 5 लोग ठीक हो चुके हैं और एक मरीज की हो गई थीद्य बीते दिन कच्छ में 15 सैम्पल की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद कच्छ जिला कोरोना मुक्त हो गया हैद्य गौरतलब है गुजरात में कोरोना के सबसे अधिक 2543 मामले अहमदाबाद में सामने आए हैं और 128 मरीजों की मौत हो चुकी हैद्य जबकि राज्यभर में कोरोना के कुल 3774 मामले हैं और 181 मरीजों की मौत हो चुकी है।

## सुरत महानगर पालिका के ओर से यु.सी.डी विभाग महिलाओं को घर पर ही मास्क बनाने के लिये जरूरी समान उपलब्ध करा रहे हैं ! सुरत शहर में महिलाओं को मिला रोजगार सखी मंडल की सभी बहनों को यह अवसर.

फोटा 1, 2

फोटा 3,4,5 केन्दीय टीम के अधिकारी जी. अशोमकुमार सुरत शहर के लसकाणा में भोजन वितरण केन्द की मुलाकात कर वहाँ की व्यवस्था को देखा

## गुजरात में कोरोना का आंकड़ा चार हजार के पार, मृतांक 200 के करीब 24 घंटों में अहमदाबाद में 234 केस सामने आए, राज्यभर में कोरोना के कुल 308

अहमदाबाद । गुजरात में पिछले 24 घंटों में 308 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं। जिसमें सबसे अधिक 234 केस केवल अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। मंगलवार की शाम से बुधवार की शाम तक 16 लोगों की मौत हो गई और 93 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना के 308 नए केस सामने आए हैं। जिसमें अहमदाबाद में सबसे अधिक 234 केस शामिल हैं। जबकि वडोदरा में 15, सूरत में 31, राजकोट में 3, भावनगर में 2, आणंद में 11, गांधीनगर में 2, पंचमहल में 4, मेहसाणा में 1, महीसागर में 1, बोटाद में 1 और नवसारी में कोरोना के 3 केस दर्ज हुए हैं। 308 नए केसों के राज्य में कोरोना पॉजिटिव की संख्या 4082 हो गई है। पिछले 24 घंटों में राज्य में 16 मरीजों की मौत हो गई। अहमदाबाद में 9, सूरत में 3, वडोदरा में 3 और राजकोट में एक मौत हुई हैद्य इस दौरान 93 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। जिसमें अहमदाबाद में 22, आणंद में 5, भरुच में 2, भावनगर में 1, छोटाउदेपुर में 1, खेडा में 1, नर्मदा में 9, पंचमहल में 2, राजकोट में 1, सूरत में 20 और वडोदरा में 29 लोग शामिल हैं। अस्पताल से डिस्चार्ज हुए इन लोगों में 61 पुरुष और 32 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक कुल 197 लोगों की मौत हो चुकी है और 527 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से

डिस्चार्ज कर दिया गया है। राज्य में 4082 पॉजिटिव केसों में 3324 मरीजों की हालत स्थिर है और 34 वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में अब तक 59488 टेस्ट किए गए, जिसमें 4082 पॉजिटिव और 55406 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। राज्य में कुल 42390 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 39485 होम कोरन्टाइन, 3244 सरकारी कोरन्टाइन और 201 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। डॉ. जयंति रवि ने बताया कि अहमदाबाद में कोरोना केसों की संख्या 2777 पर पहुंच गई है। वडोदरा में 270, सूरत में 601, राजकोट में 58, भावनगर में 43, आणंद में 71, भरुच में 31, गांधीनगर में 38, पाटन में 17, पंचमहल में 24, बनासकांठा में 28, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 13, कच्छ में 6, मेहसाणा में 8, बोटाद में 20, पोरबंदर में 3, दाहोद में 4, गिरसोमनाथ में 3, खेडा में 6, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 18, महीसागर में 11, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 6, डांग में 2 और सुरेन्द्रनगर में कोरोना का अब तक एक केस दर्ज हुआ हैद्य राज्य के 33 जिलों में जूनागढ़, अमरेली और देवभूमि द्वारका को छोड़ 30 जिलों में कोरोना पैर पसार चुका है।

## सोसायटी की चर्चाएँ

भारत में लोकडाउन होने के बाद भी गुटका के खरीद–वेचने प्रतिबंध लगे होने के बावजूद सुरत के पांडेसराक्षेत्र में कुछ जगहों पर गोदामों पर ट्रक से मॉल–समान लाकर वेचते हैं इस तरह की जानकारी सूत्रों के पास से मिली हैं अगर पुलिस इस दिशानिर्देश पर बड़े अधिकारियों की टीम जाँच करे तो एक बड़े पैमाने पर एक नही कई लोग कानून के तहत कार्यवाही किया जा सकता हैं,जो सुरत ही नही बल्कि पुरे गुजरात, मुम्बई तक इस गोरख धंधा कई शाखाएं हैं

**वायरल वीडिया** पुलिस के नाम पर गुटका का समान पकड़ कर पुलिस कार्यवही के नाम पर तोड़ करते हैं ? इस प्रकार की घटनाओं आये दिन पांडेसरा क्षेत्र में देखने को मिल रहा हैं यह व्यकित पुलिस के नाम पर क्या कर रहा हैं ? तोड़ ?

यह क्या ? लोगों में एक सवाल ? कार्यवाही या और कुछ ?

## प्रत्येक नागरिक मास्क पहनने और सोशल डिस्टसिंग की आदत डाले : डीजीपी

अहमदाबाद ! गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने राज्य के प्रत्येक नागरिक से अपील की है कि कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए वे मास्क पहनने और सोशल डिस्टसिंग की आदत को जीवन का एक हिस्सा बनाएं। राज्य में लॉकडाउन की स्थिति की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए नागरिक



आवाजाही कम करें और बेवजह घरों से बाहर न निकलें और एक–दूसरे से प्रत्यक्ष संपर्क भी कम करें यह जरूरी हैद्य पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि टू व्हीलर पर एक और फोर व्हीलर पर दो से अधिक सवारी करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगीद्य संक्रमित क्षेत्रों में ऐहतियात के तौर पर पर्याप्त बंदोबस्त किया गया हैद्य ग्रीन जोन वाले क्षेत्रों में संक्रमण न फैले इसके लिए नागरिक जागृत होकर लॉकडाउन का पालन करेंद्य लॉकडाउन के दौरान भीड़ के जमा होने या सोशल डिस्टसिंग का उल्लंघन की पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगीद्य बीते दिन पुलिस कंट्रोल रूम को मिली सूचना के आधार पर राज्य में 43 मामले दर्ज किए गए हैंद्य उन्होंने कहा कि जहां संक्रमण अधिक होने की संभावना है, ऐसे इलाकों में ऐहतियात के तौर पर लॉकडाउन के दौरान दी गई छूट रद्द किए जाने का प्रावधान है और इसके अंतर्गत पंचमहल जिले के गोधरा शहर में स्थानीय प्रशासन ने छूट रद्द करने का फैसला किया है और लॉकडाउन के सख्ती से अमल के लिए एसआरपी की एक कंपनी उपलब्ध कराई गई हैद्य सुरेन्द्रनगर जिले में 25 अप्रैल को जीआरडी जवान पर हुए हमले के संदर्भ में 2 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर दोनों को पासा के तहत जेल भेजा गया हैद्य अधिसूचना और कोरन्टाइन का उल्लंघन, रायोटिंग और डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट समेत अब तक कुल 107100 लोगों को गिरफ्तार किया गया हैद्य लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर बीते दिन 7660 वाहनों को जब्त किया गया है और 7321 वाहनों को मुक्त किया गया हैद्य राज्य में अब तक 135143 वाहनों को मुक्त किया जा चुका है।

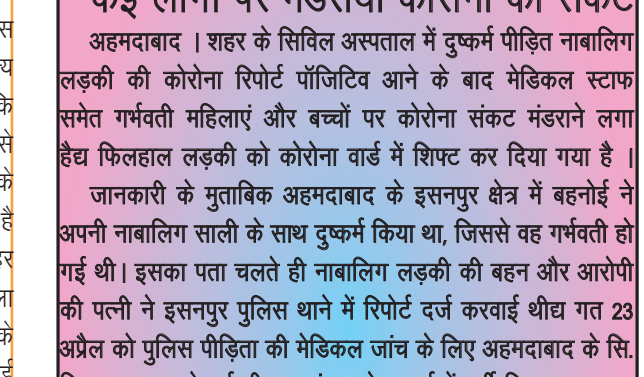

तालुका पंचायत में चोर्यासी ग्राम पंचायत पाली में गुजरात सरकार श्री के ओर मजदूर और जरूरतमंदलोगों को लोकडाउन के समय भोजन व्यवस्था पाली ग्राम पंचायत में किया गया हैं जिससे सभी जरूरतमंद लोग कोई भूखा न रहे .

## अस्पताल में दुष्कर्म पीड़ित गर्भवती नाबालिग की रिपोर्ट पॉजिटिव, कई लोगों पर मंडराया कोरोना का संकट

अहमदाबाद । शहर के सिविल अस्पताल में दुष्कर्म पीड़ित नाबालिग लड़की की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद मेडिकल स्टाफ समेत गर्भवती महिलाएं और बच्चों पर कोरोना संकट मंडराने लगा हैद्य फिलहाल लड़की को कोरोना वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है ।

जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के इसनपुर क्षेत्र में बहनोई ने अपनी नाबालिग साली के साथ दुष्कर्म किया था, जिससे वह गर्भवती हो गई थी। इसका पता चलते ही नाबालिग लड़की की बहन और आरोपी की पत्नी ने इसनपुर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थीद्य गत 23 अप्रैल को पुलिस पीड़िता की मेडिकल जांच के लिए अहमदाबाद के सि. विल अस्पताल ले गई थीद्य जहां गायनेक वार्ड में भर्ती किया गया थाद्य मेडिकल जांच के साथ ही उसका कोरोना टेस्ट भी किया थाद्य पीड़िता की आज सामने आई रिपोर्ट वह कोरोना संक्रमित होने का खुलासा होने के बाद मेडिकल स्टाफ में हड़कम्प मच गयाद्य 6 से 7 दिनों के दौरान सिविल अस्पताल के गायनेक वार्ड में 30 जितनी गर्भवती महिलाएं और इस बीच 15 से 20 बच्चों का जन्म भी हुआद्य हांलाकि इन बच्चों को उनके जन्म के दो दिन बाद ही अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाता हैद्य लेकिन गायनेक वार्ड में 30 जितनी नर्सों समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी लगातार सेवा रहे हैंद्य दुष्कर्म पीड़िता की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद मेडिकल स्टाफ पर कोरोना का संकट मंडराने लगा हैद्य पीड़िता को अस्पताल लाने वाली महिला पुलिसकर्मी का भी टेस्ट किया जाएगा। फिलहाल पीड़िता को आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)